



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 28]
No. 28]नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 3, 2006/माघ 14, 1927
NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 3, 2006/MAGHA 14, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 2006

अंतिम जांच परिणाम

विषय : तुर्की से बोरेक्स डेकाहाइड्रेट के आयातों के मामले में मध्यावधि पाटनरोधी समीक्षा।

क. मामले की पृष्ठभूमि

सं. 15/1/2005-डीजीएडी.—1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क या अतिरिक्त शुल्क का आंकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने (एतदपश्चात् इसे प्राधिकारी कहा गया है) तुर्की और चीन पी आर के मूल के अथवा वहां से निर्यातित बोरेक्स डेकाहाइड्रेट (जिन्हें एतदपश्चात् सम्बद्ध माल कहा गया है) के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हुए 23 नवम्बर, 2003 की अधिसूचना सं. 14/40/2002-डीजीएडी के द्वारा अपने अंतिम जांच परिणाम अधिसूचित किए थे। दिनांक 7-1-2004 की सीमाशुल्क अधिसूचना संख्या 2/2004-सीमा शुल्क के अनुसार संबद्ध माल पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।

2. जबकि नियमों के तहत प्राधिकारी द्वारा निरंतर पाटनरोधी शुल्क लगाने की जरूरत की समय-समय पर समीक्षा किया जाना अनिवार्य है और इससे प्राप्त सकारात्मक सूचना के आधार पर यदि वह इस बात से संतुष्ट हो जाता है कि इस प्रकार के शुल्क के सतत अधिरोपण का कोई औचित्य नहीं है तो प्राधिकारी इसे समाप्त करने के लिए केन्द्र सरकार को सिफारिश कर सकता है।

उपर्युक्त प्रावधान के होते हुए भी प्राधिकारी के लिए किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा समीक्षा की आवश्यकता को सिद्ध करते हुए प्रस्तुत सकारात्मक सूचना के आधार पर जांच करना अपेक्षित है ; बशर्ते कि निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण के बाद से तर्कसंगत समय बीत गया हो, या चाहे शुल्क को पाटन को प्रतिसंतुलित करने के लिए पाटनरोधी शुल्क को लागू रखना आवश्यक हो, या चाहे शुल्क को हटाने या उसमें परिवर्तन करने या इन दोनों से क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति की संभावना है । उपर्युक्त प्रावधानों के अनुसार, उत्पादक मैसर्स ईटीआई मेडेन इस्लेमेलेरी जेनेल मुद्रुरलुगु (एतदपश्चात इसे ई टी आई मेडेन कहा जाएगा) तुर्की ने तथा निर्यातक मैसर्स बोरोकेमी इंटरनेशनल प्रा. लि., सिंगापुर ने परिवर्तित परिस्थितियों के मद्देनजर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा हेतु अनुरोध किया है ।

3. उत्पादक मैसर्स ईटीआई मेडेन, तुर्की तथा निर्यातक मैसर्स बोरोकेमी इंटरनेशनल प्रा. लि., सिंगापुर ने परिवर्तित परिस्थितियों में समीक्षा के लिए निम्नलिखित आधार दिए हैं :

1. भारत के सो आई एफ निर्यात कीमत में वृद्धि हुई है तथा संदर्भित नियत कीात की तुलना में पहुंच मूल्य अधिक हो गया है ।
2. बोरेक्स डेकाहाइड्रेट (बीडीएच) पर सीमाशुल्क 30% से घटकर 20% हो गया है ।
3. सामान्य मूल्य काफी नीचे आ गया है ।

परिस्थितियों में यह परिवर्तन समीक्षा की शुरुआत करने के लिए उचित माना गया है ।

4. 21 नवंबर 2003 की अधिसूचना संख्या 14/40/2002-डीजीएडी के अनुसार अधिसूचना अंतिम जांच परिणाम की समीक्षा का निर्णय लेते हुए, प्राधिकारी ने नियम 23 की शर्त के अनुसार समीक्षा की जांच शुरू की कि क्या तुर्की के मूल के या वहां से निर्यातित बोरेक्स डेकाहाइड्रेट के आयातों पर सतत शुल्क अधिरोपण पाटन को प्रति संतुलित करने के लिए आवश्यक है या क्या शुल्क को हटाने या उसमें परिवर्तन करने या इन दोनों से क्षति के जारी रहने या इसकी पुनरावृत्ति की संभावना है ।

ख. प्रक्रिया

5. जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई
 - (i) प्राधिकारी ने समीक्षा शुरू करने के बाद नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश के सभी ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों तथा भारत स्थित घरेलू उद्योग से संगत सूचना मंगाने के लिए आरंभिक अधिसूचना के साथ प्रश्नावली भेजी ।

- (ii) नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के राजदूतावास को नियम 6(2) के अनुसार जांच शुरू करने की सूचना देते हुए अनुरोध किया गया कि वे अपने - अपने देशों के निर्यातिकों/उत्पादकों को निर्धारित अवधि के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें।
- (iii) संबद्ध माल के ज्ञात आयातकों तथा उपभोक्ताओं से नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए प्रश्नावली भेजी गई।
- (iv) 1.1.12004 से 31.12.2004(जांच की अवधि) की जांच की गई। मगर क्षति की जांच 2000-01 से जांच की अवधि तक की गई।
- (v) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय से संबद्ध माल के आयात के पिछले तीन वर्षों के विवरण और जांचों की अवधि बताने के लिए अनुरोध किया गया। मगर इस जांच में डी जी सी आई एंड एस की रिपोर्ट पर भरोसा नहीं किया गया क्योंकि संबद्ध देश से आयातित मात्रा को कम करके बताया गया था और फिर यह देखा गया कि डी जी सी आई एंड एस ने आई सी डी (उदाहरणतः आई सी डी फिरेजाबाद) से प्रभावित आयात का मूल्यांकन नहीं किया।
- (vi) मैसर्स बोरोकेमी इंटरनेशनल तथा मैसर्स ई टी आई मेडेन अंकारा के अलावा अन्य किसी निर्यातक से शुरू किए गए अधिसूचना का उत्तर नहीं मिला।
- (vii) तुर्की के अन्य किसी निर्यातक ने प्रारंभ अधिसूचना के किसी मामले में कोई उत्तर नहीं दिया।
- (viii) मैसर्स बोरेक्स मोरार्जी, संबद्ध माल के घरेलू उत्पादक तथा मूल जांच के आवेदक ने अपने उत्तर में समीक्षा का विरोध किया। मगर मैसर्स राज इंडस्ट्रीज, वालराड, गुजरात, जो बोरेक्स तथा अन्य रसायनों के विनिर्माता भी हैं ने उत्तर प्रस्तुत किया है कि तुर्की से किए गए आयात से उनके उत्पादन तथा बोरेक्स डेकाहाइड्रेट की हिन्दी को कोई क्षति नहीं हुई है। उन्होंने पुनः दोहराया कि तुर्की से भारत में आयात होने वाले बोरेक्स डेकाहाइड्रेट पर पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने पर उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। एक अन्य घरेलू उद्योग मैसर्स शक्ति बोरेक्स प्रा. लि. ने अनुरोध किया है कि तुर्की से उक्त के आयात पर उनके प्रचालन को कोई खतरा नहीं है तथा उन्होंने अनुरोध किया कि प्राधिकारी तुर्की से भारत में बोरेक्स डेकाहाइड्रेट के आयात पर किसी भी प्रकार का पाटनरोधी अंधिरोपण न करें।
- (ix) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए सभी के विचारों पर वर्तमान जांच के संगत होने के स्तर तक जांच की।
- (x) प्राधिकारी के विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय रूपांतरों को हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षण के लिए सार्वजनिक फाइल के रूप में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया।
- (xi) घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में जांच की प्रस्तुत सूचना की प्राधिकारी ने यथासंभव जांच की।
- (xii) प्राधिकारी ने नियमों के अनुसार सामान्य मूल्य और पाटन मार्जिन को निर्धारित करने के लिए संबद्ध समीक्षा हेतु सहयोगी निर्यातक एवं आयातक के आंकड़ों को भी सत्यापित किया। प्राधिकारी ने तुर्की से संबद्ध माल के कुछ आयातकों की आयात सूचना और पुन

बिक्री कीमत की भी जांच की। सत्यापन करने के पश्चात सत्यापन रिपोर्ट निर्यातकों के पास उनकी टिप्पणी के लिए प्रेषित की गई और उनसे प्राप्त टिप्पणियां अंतिम जांच परिणाम में समाविष्ट की गई। अगोपनीय सत्यापन रिपोर्ट की एक प्रति सभी हितबद्ध पार्टियों के सूचनार्थ सार्वजनिक फाइल में भी रखी गई।

- (xiii) प्राधिकारी से 16 अगस्त, 2005 को हितबद्ध पार्टियों को मौखिक रूप से सुनने के लिए सार्वजनिक सुनवाई की जिसमें घरेलू उद्योग के प्रतिनिधि तथा संबद्ध देशों से संबद्ध माल के निर्यातक उपस्थित हुए। सार्वजनिक सुनवाई में आने वाली पार्टियों से मौखिक रूप से व्यक्त विचारों को लिखित रूप से प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया। हितबद्ध पार्टियों से प्राप्त लिखित अनुरोध पर निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस जांच परिणाम हेतु उस स्तर तक विचार किया जहां तक इसे जांच परिणाम के लिए संगत पाया गया। उपर्युक्त नियम के नियम 16 के अनुसार इन जांच के लिए आवश्यक माने गए तथ्य / आधार का प्रकटन दिनांक 24 नवंबर 2005 को ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को किया गया तथा अंतिम निर्णय में इन पर प्राप्त टिप्पणियों पर विधिवत विचार किया जाता है।
- (xiv) **** इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई और प्राधिकारी द्वारा नियमों के अंतर्गत रूप में विचार की गई सूचना का घोतक है।

ग. जांचाधीन उत्पाद तथा समान वस्तु

6. मूल जांच और चालू समीक्षा में शामिल उत्पाद बोरेक्स डेकाहाइड्रेट (बीडीएच) है जो कथित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की प्रथम अनुसूची के अध्याय 25 में शीर्षक सं. 284010 के उन्नत तथा आई टी सी एच एस की श्रेणी में आता है। हालांकि वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और किसी भी प्रकार से वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है। जांचाधीन उत्पाद पर कोई विवाद नहीं है। समान वस्तु के मामले में यह ध्यान रखा जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देशों से आयातित तथा उनके यहां बेचे गए बोरेक्स डेकाहाइड्रेट में पर्याप्त अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देशों से आयातित बोरेक्स डेकाहाइड्रेट की आकारिक विशेषता, क्रिया कलाप, तथा उपयोग, विशिष्टताओं, वितरण तथा विपणन तथा माल के टैरफ वर्गीकरण की दृष्टि से तुलना की जा सकती है। संबद्ध देशों से आयातित बोरेक्स डेकाहाइड्रेट तथा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित बोरेक्स डेकाहाइड्रेट का उपभोक्ता द्वारा एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किया जा सकता है और ऐसा उपयोग किया जा रहा है। इस प्रकार घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित बोरेक्स डेकाहाइड्रेट तुर्की से आयातित घरेलू समान वस्तु माना गया है।

घ. प्रारंभिक समीक्षा, विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए मुद्दे तथा प्राधिकारी द्वारा जांच

7. घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी का ध्यान इस तथ्य की ओर आकृष्ट किया है कि इस मामले में याचिका कर्ता द्वारा समीक्षा के लिए दिए गए आधार अपर्याप्त है। इस मामले में उन्होंने अनुरोध किया है कि नियम 23 के तहत मध्यावधि समीक्षा के मामले में निर्दिष्ट अधिकारी से तीन जांच पर विचार करने की अपेक्षा की जाती है। इस जांच से विशिष्ट कारकों की पहचान होती है और पर्याप्त परिवर्तित परिस्थितियों में समीक्षा के कारक बनते हैं। यदि उपाय को हटा दिया जाए या परिवर्तित

कर दिया जाए तो पाटन अथवा क्षति की संभावना बनी नहीं रहेगी तथा वर्तमान उपायों के कारण घरेलू उद्योग क्षति एवं क्षतिकारी पाटन या शुल्क को प्रति संतुलित नहीं कर पा रहा है तथा प्रतिकार करने में पर्याप्त समर्थ नहीं रहे तथा पाटन को क्षति पहुंचा रहे हैं। वर्तमान मामले में घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि कथित परिस्थितियां मध्यावधि समीक्षा को आमंत्रित करने वाली परिवर्तित परिस्थितियों की घटक नहीं होती हैं तथा मैसर्स ई टी आई होल्डिंग्स तथा बोरेकेमी इंटरनेशनल द्वारा दायर किए गए आवेदन पत्र में सकारात्मक साक्ष्य की कमी दर्शाते हुए परिवर्तित परिस्थितियों में मध्यावधि समीक्षा को आमंत्रित किया है। घरेलू उद्योग ने भी अनुरोध किया है कि संबद्ध देश से संबद्ध माल का उच्चतर पहुंच मूल्य पाटन का अभाव या घरेलू उद्योग की क्षति ध्वनित नहीं करता है। घरेलू उद्योग ने यह भी प्रस्तुत किया है कि निर्यातक और आयत्क के मध्य प्रतिपूरक व्यवस्था की संभावना है। घरेलू उद्योग ने यह भी कहा है कि निर्यातक से पाटनरोधी शुल्कों के प्रतिसंहरण के साथ पाटन की असंभाव्यता स्थापित करने की अपेक्षा की जाती है उन्होंने पुनः दोहराया कि वापसी को स्थापित करने की जरूरत का दायित्व याचिकाकर्ता पर है। संबद्ध माल के पाटन के मामले में घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से उत्पादन की लागत से संबंधित मामले में निर्यातक के दावों की जांच का अनुरोध किया है तथा क्या जांचाधीन उत्पाद की बिक्री तथा उत्पादन के साथ संबद्ध खर्च को तर्कसंगत रूप से प्रतिबिंబित करता है। घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से अपने खर्चों और लाभों को समाहित करने के लिए सत्यापन हेतु अनुरोध किया है। पाटन की संभावनाओं के मामले में घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि भारतीय बाजार में बिक्री की कीमत में निर्यात मूल्य अथवा आयात के पहुंच मूल्य में वृद्धि के बावजूद सुधार नहीं हुआ है और इसलिए आयात के ये पहुंच मूल्य अस्थायी और कृत्रिम हो सके। उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि भारत में जांचाधीन उत्पाद के कई उत्पादकों ने पिछले कई वर्षों से उत्पादन शेक रखा है। इस प्रकार विदेशी उत्पादकों के लिए बाजार का प्रसार हुआ है और याचिकाकर्ता के लिए लाभप्रद हो सकता है। घरेलू उद्योग ने घरेलू उद्योग की क्षति के संबंध में घरेलू उद्योग ने फार्म में विहित तरीके से सूचना दी है। विशेषतः घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि आयात की न केवल संपूर्ण रूप से वृद्धि हुई है। अपितु भारत में संबद्ध माल के उत्पादन और उपभोग में भी वृद्धि हुई है। तथा संबद्ध देशों से संपूर्ण आयात व संपूर्ण मांग के क्षेत्र में आयात का मार्केट शेयर चढ़ाव पर है। पुनः कहा कि घरेलू उद्योग में कमी आई है तथा घरेलू उद्योग के पास संबद्ध माल की पर्याप्त भण्डार सूची है। घरेलू उद्योग ने यह भी अनुरोध किया कि उत्पादकता में कमी, सकारात्मक मूल्य में कमी तथा नियोजित पूँजी में इष्टतम वापसी में कमी ने घरेलू उद्योग को लगातार वित्तीय नुकसान पहुंचाया कि पाटनरोधी शुल्क अधिरोपण के बावजूद घरेलू उद्योग को वित्तीय नुकसान जारी है। यह भी अनुरोध किया कि इससे क्षति बढ़ेगी ही इसलिए इस अपरिपक्व स्तर पर पाटन रोधी शुल्क वापस ले लिया जाए। अंत में घरेलू उद्योग ने कहा निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटन पहलू को ही शुद्धिपत्र के माध्यम से समीक्षा के दायरे तक सीमित रखें।

8. इस मध्यावधि समीक्षा के याचिकाकर्ता नामतः मैसर्स ई टी आई मेडेन, तुर्की तथा मैसर्स बोरेकेमी इंटरनेशनल प्रा. लि. जांच की गलत शुरूआत के बारे में घरेलू उद्योग के दावे से असहमत है। वे इस बात पर कायम है कि समीक्षा आवेदन पत्र में उनकी द्वारा वर्णित तीन परिवर्तित परिस्थितियों की मध्यावधि समीक्षा की आवश्यकता को उन्होंने उचित रूप से दर्शाया है। उन्होंने गह भी बताया कि मध्यावधि समीक्षा प्रारम्भ करने के लिए उनके द्वारा प्राधिकारी को सकारात्मक सूचना

की आपूर्ति की गई थी। उनके द्वारा यह भी अनुरोध किया गया कि पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण के पश्चात् एक साल पहले ही बीत गया है और एक वर्ष का समय औचित्यपूर्ण अवधि माना जा सकता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने संबद्ध देश में संबद्ध माल के उत्पादक और निर्यातक के रूप में मूल जांच में भाग लिया और इस प्रकार के पाटनरोधी करार के तहत हितबद्ध पार्टी है तुर्की में संबद्ध माल की कीमतों तथा भारत में निर्यात के बारे में प्राधिकारी से अनुरोध किया कि घरेलू बाजार में लेन-देन का विवरण एवं भारत से संबद्ध माल के निर्यात के बारे में जांच करें। याचिकाकर्ता ने फिर दोहराया कि तुर्की में उत्पादक ईटीआई मेडेन (पहले ईटीआई धारक के रूप में ज्ञात) है। ईटीआई मेडेन की कई फैक्टरियां हैं इस प्रकार की एक फैक्टरी बन्दीरामा में है जो बीड़ीएच के विनिर्माण में संलग्न है। इस प्रकार तुर्की में उत्पादक और निर्यातक ईटीआई मेडेन अकेला ही वैधानिक सत्ता है तथा तुर्की से सीधे ही भारत को माल का निर्यात किया गया है। मगर भारत में आशातक संबंधी अंतिम बीजक बोरोकेमी इंटरनेशनल प्रा. सिंगापुर (बोरोकेमी) द्वारा उठाया गया है जिसे ईटीआई मेडेन द्वारा माल बेचा गया था। जैसा कि ईटीआई मेडेन तथा बोरोकेमी इंटरनेशनल दोनों ने ही मूल जांच में अपनी प्रश्नावली का गोपनीय और अगोपनीय उत्तर प्रस्तुत किया है।

9. प्राधिकारी ने इस समीक्षा की जांच की शुरूआत के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों की सावधानी पूर्वक जांच की है।

10. पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 में यह प्रावधान है कि विनिर्दिष्ट प्राधिकारी समय समय पर पाटनरोधी शुल्क को लगातार लागू रखने की आवश्यकता की समीक्षा करेंगे और यदि इसके द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर यह संतुष्टि हो जाए कि ऐसे शुल्क को लगातार जारी रखने का औचित्य नहीं है तो वे केन्द्र सरकार को इस वापस लेने की सिफारिश करेंगे।

11. करार के अनुच्छेद 11.2 में यह प्रावधान है कि प्राधिकारी आवश्यकतानुसार अपने स्वयं की पहल पर शुल्क को लगातार लगाए रखने की आवश्यकता की समीक्षा करेंगे अथवा किसी हितबद्ध पक्षकार जो समीक्षा की आवश्यकता को साबित करने वाली सकारात्मक सूचना प्रस्तुत करे, के अनुरोध पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क को लागू करने से लेकर काफी समय यदि व्यतीत हो गई हो तो समीक्षा करेंगे। हितबद्ध पक्षकारों को यह जांच करने के लिए प्राधिकारी को अनुरोध करने का अधिकार है कि क्या शुल्क को लगातार लागू रखना पाटन का समाधान करने के लिए आवश्यक है, क्या शुल्क हटाए जाने अथवा परिवर्तित करने से अथवा दोनों कार्यों से क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। यदि इस पैराग्राफ के अंतर्गत की गई समीक्षा के फलस्वरूप प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क की और अधिक समय तक आवश्यकता नहीं है तो इसे तुरंत हटा दिया जाएगा। प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने की तारीख से एक वर्ष व्यतीत होने के पश्चात् ही कोई हितबद्ध पक्षकार कोई सही अनुरोध करने पर समीक्षा की शुरूआत करने के लिए बहुत एक समीचीन प्रथा रही है और इस आवश्यकता को एक व्यापार सूचना 1/99 द्वारा अधिसूचित किया गया है। मौजूदा मामले में समीक्षा पाटनरोधी शुल्क लगाने की तारीख से 13 महीने बाद शुरू की गई है।

12. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि भारतीय पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 11.2 के अंतर्गत समीक्षा के आधारों को साबित करना अनिवार्य है और आवेदक ऐसा करने में विफल रहा है। इसलिए समीक्षा की शुरुआत को रोका जाता है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि 'याचिका कर्त्ताओं' ने अन्य बातों के साथ- साथ यह सकारात्मक सूचना प्रस्तुत की थी कि घरेलू कीमतें अंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने के फलस्वरूप कम हो गई हैं। यह भी बताया गया था कि तुर्की में भी डी एच की घरेलू बिक्री कीमत (सामान्य मूल्य) जो मूल जांच में 'क' की तुलना में घरेलू बिक्री की कीमत में 15% से 20% तक काफी कमी हुई है। वर्तमान घरेलू कीमतों के समर्थन में जांच प्रारूप के साथ- साथ बीजक भी प्रस्तुत किए गए थे। यह भी निवेदन किया गया था कि एक संदर्भ कीमत के आधार पर मूल जांच में परिवर्तनीय पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। यह संदर्भ कीमत पहुंच स्तर तक थी और इसलिए इसमें जांच की मूल अवधि के दौरान यथा लागू 30% सीमाशुल्क शामिल था। पाटनरोधी शुल्क लागू करने के फलस्वरूप बी.डी.एच. पर सीमा शुल्क को 30% से घटाकर 20% कर दिया गया है। इसलिए याचिकाकर्त्ताओं द्वारा यह निवेदन किया गया था कि यदि अन्य सभी बातें समान ही रहें तो संदर्भ कीमत सीमा शुल्क में कमी के अनुरूप कम होनी चाहिए। इसके लिए संदर्भ कीमत को पुनर्निर्धारित करने के लिए समीक्षा की आवश्यकता होगी। उक्त निवेदनों को मध्यावधि समीक्षा शुरू करने के लिए प्राधिकारी द्वारा एक सकारात्मक साक्ष्य समझा गया है।

13. उत्तर के अगोपनीय रूपांतर के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा यह निवेदन किया गया था कि 'याचिकाकर्त्ताओं' का यह दावा कि सामान्य मूल्य में कमी हो गई थी सच नहीं था। यह कहा गया कि परिशिष्ट 2 के अनुसार घरेलू बाजार के लिए औसत कीमत 2002-2003 में 0.88 पर सूचीबद्ध की गई थी जबकि यह 2004 में केवल 0.86 तक कम हुई थी। इस संबंध में यह उल्लेख किया जा सकता है कि वर्ष 2002-2003 के लिए दर्शाई गई औसत दर उक्त वर्षों के दौरान मौजूद औसत विनिमय दर पर आधारित है। तथापि, मूल जांच में प्राधिकारी ने यह दृष्टिकोण अपनाया है कि विनिमय दर में पर्याप्त उतार चढ़ाव हुए थे इसलिए घरेलू बाजार में प्रत्येक सौदे को उस सौदे की तारीख को लागू विनिमय दर पर अमरीकी डालर में परिवर्तित कर दिया जाना चाहिए। संयोगवश जांच के दौरान, यह नोट किया गया था कि संबद्ध वर्ष में, वस्तुओं की सभी घरेलू बिक्री की वस्तु सूचियों में बिक्री के विशेष दिन पर विनिमय पर आधारित अमरीकी डालर में धन राशि भी दी गई थी। इस आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया था जिसके फलस्वरूप 12.44% का पाटन मार्जिन निकला था। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिका कर्त्ताओं ने अपने इस दावे की समीक्षा अवधि के लिए घरेलू कीमत मूल जांच अवधि के दौरान मौजूद घरेलू कीमत (प्राधिकारी द्वारा यथानिर्धारित) से काफी कम है, को करने में समान पद्धति अपनाई थी। अतः प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उनके द्वारा समीक्षा करने के उनके अनुरोध में सही दावा किया गया है। उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी का यह निर्णय है कि तुर्की से बोरेक्स डेकाहाइड्रेट पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा सही ढंग से शुरू की गई है।

३. पाटन रोधी निर्धारण

सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

14. सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की धारा 9 का (i) (ग) के अधीन किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य निम्नलिखित से अभिप्रेत है।

(i) समान वस्तु के लिए व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में तुलनीय कीमत जब वह वस्तु उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित निर्यातित देश अथवा सीमा क्षेत्र में उपभोग के लिए हो; अथवा

(ii) जब व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में सामान्य वस्तु की निर्यातित देश अथवा सीमा क्षेत्र के घरेलू बाजार में कोई बिक्री न हो अथवा निर्यातित देश अथवा सीमा क्षेत्र के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति के कारण बिक्रियों की मात्रा कम हो तो ऐसी प्रक्रियाओं से उचित तुलना की अनुमति नहीं मिलती तब सामान्य मूल्य या तो:

(क) उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित निर्यातित देश अथवा सीमा क्षेत्र अथवा किसी उचित तीसरे देश से निर्यात किए जाने पर समान वस्तु की तुलनीय प्रतिमिति कीमत; अथवा

(ख) उपधारा(6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागतों और लाभों के लिए उचित बढ़ोत्तरी के साथ उदगम के देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

परंतु उदगम के देश को छोड़कर किसी देश से वस्तु के आयात के मामले में जहां वस्तु के वरेल निर्यात के देश के जरिए केवल यानांतरित की गई हो अथवा ऐसी वस्तु का निर्यात के देश में उत्पादन नहीं किया जाता है अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत न हो तो समान्य मूल्य उदगम के देश में इसकी कीमत के संदर्भ में निर्धारित किया जाएगा।

15. तुर्की में उत्पादक ईटीआई मैडेन (पूर्व में ई टी आई होल्डिंग के रूप में ज्ञात) है। ईटीआई मैडेन के पास अनेक कारखाने हैं और बन्डीरामा में एक ऐसे कारखाने में बीडीएच का विनिर्माण होता है। यह भी नोट किया गया है कि तुर्की में उत्पादक और निर्यातक एक ही कानूनी सत्ता है और तुर्की से भारत को संबद्ध वस्तुओं का सीधा पोतलदान किया गया है। तथापि भारत में आयात पर अंतिम बीजक बोरोकेमी इंटरनेशनल ई टी आई सिंगापुर द्वारा तैयार किया गया है जिनको ई टी आई मैडेन द्वारा वस्तुएं बेची गई थी। अतः वर्तमान जांच में मैसर्स ईटीआई माडेन मूल जांच के पश्चात जब वह ईटीआई होल्डिंग्स ए.एस थी, के पश्चात परिवर्तित नाम ने जांच अवधि के दौरान और उससे पहले दो वर्षों में अपने एजेंट मैसर्स बोरोकेमी इंटरनेशनल पीटी लि. सिंगापुर के जरिए

भारत को बोरेक्स डेकाहाइड्रेट का निर्यात किया । मैसर्स ईटीआई मैडेन ने यह निवेदन किया है कि वह संबद्ध वस्तुओं का विनिर्माण करता है और पूरे देश में अपने डिपो के जरिए घरेलू बाजार में बिक्री करता है । तथापि सीधे तौर पर उत्पाद का निर्यात नहीं करता है । जैसा कि उसने मैसर्स बोरेक्समी इंटरनेशल पीटीई लि. सिंगापुर के जरिए भारत को निर्यात किया है । उत्पादकों के साथ साथ निर्यातिक ने निर्यातिक प्रश्नावलियों का उत्तर प्रस्तुत किया है । तुर्की में मात्र एक ही निर्यातिक उत्पादक मैसर्स ईटीआई मैडेन के लिए सामान्य मूल्य स्थापित करने हेतु पहले यह निर्धारित किया गया था कि क्या उत्पादक मैसर्स ईटीआई मैडेन द्वारा संबद्ध वस्तुओं की सकल घरेलू बिक्री निर्यातित देश ने संबद्ध वस्तुओं की कुल बिक्रियों की तुलना में प्रतिनिधिक थी और क्या उनकी बिक्रियां पाटनरोधी नियमों में अनंत्रित की गई हैं । प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मैसर्स ईटीआई मैडेन की घरेलू बिक्रियां प्रतिनिधिक बिक्रियां थीं । व्यापार की सामान्य प्रक्रिया जांच के निर्धारण के लिए संबंधित उत्पाद के उत्पादन की लागत की जांच उत्पादक द्वारा अनुरक्षित रिकार्डों के संदर्भ में की गई थी और प्राधिकारी द्वारा सत्यापित की गई थी । यह नोट किया गया था कि टिनकाल कन्सन्ट्रेट जो बीड़ीएच के विनिर्माण के लिए कच्ची सामग्री है का किरका में खनन और निष्कर्षण किया जाता है । किरका में बोरेक्स डेन्टाहाइड्रेट (बीड़ीएच) का भी उत्पादन होता है । ईटीआई मैडेन के अन्य कोई कारखाने टिनकाल अथवा टिनकाल कंसंट्रेट का निष्कर्षण नहीं करते हैं । यह भी जांच भी की गई थी कि किरका में निष्कर्षित टिनकाल कंसेंट्रेट का बी पी एच के विनिर्माण के लिए आबद्ध रूप से प्रयोग किया जा रहा है । और इसे बीपीएच तथा बोरेक्स हाइड्रेट (बीड़ीए) के विनिर्माण में प्रयोग के लिए बन्डीरामा बोराम कारखाने को भी भेजा जाता है यह स्मरणीय है कि घरेलू उद्योग से यह भी तर्क प्राप्त हुए है कि प्राधिकारी को मुख्य निविष्टि की उत्पादन लागत का भी आवश्यक रूप से सत्यापन करना चाहिए । घरेलू उद्योग द्वारा यह आरोप भी लगाया गया था कि वही निविष्ट घरेलू बाजार में बेची जा रही है अथवा संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत में प्रतिबिम्बित की जा रही लागत से अधिक कीमत पर निर्यात की जा रही है । टीम ने टिनकाल केसंट्रेट की उत्पादन लागत का सत्यापन किया था । प्राधिकारी ने मैसर्स ईटीआई मैडेन की उत्पादन लागत का सत्यापन किया है और कार्य स्थल पर वस्तुगत जांच के पहचान यह निर्धारण किया गया है कि कच्ची सामग्री टिनकाल की किसी सहबद्ध इकाई द्वारा आपूर्ति नहीं की जा रही है परंतु उसी कंपनी द्वारा उत्पादन किया गया था जो घरेलू बाजार में वस्तुओं की बिक्री कर रही है । प्राधिकारी ने यह सत्यापन भी किया है कि टिनकाल कंसेंट्रेट बहुत कम प्रतिशत में घरेलू बाजार में बेचा जाता है और वह भी विश्वविद्यालयों और अनुसंधान तथा विकास करने वाले ग्राहकों को । शेष टिनकाल अन्य बोरोन उत्पादों के उत्पादन के लिए उनके संयत्र में प्रयोग किया गया है । प्राधिकारी रिकार्डों का सत्यापन करने के पश्चात उत्पादित और बोरेक्स डेकाहाइड्रेट के विनिर्माण में आबद्ध रूप से प्रयोग किए गए टिनकाल की कीमत वास्तविक उत्पादन लागत पर निर्धारित की गई है । तत्पश्चात प्राधिकारी ने टिनकाल की लागत मुख्य कच्ची सामग्री और बन्डीरामा में संयत्र तक उसकी भाड़ा लागत को शामिल करते हुए संबद्ध वस्तुओं की वास्तविक उत्पादन लागत का सत्यापन किया है । इसके बाद प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की घरेलू बिक्री की मात्रा और इसकी कीमतों की जांच की । इसके अतिरिक्त सभी घरेलू बिक्री सौदों की संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत के संदर्भ में जांच की गई थी जैसे कि यह निर्धारण करने के लिए पहले जांच की गई थी कि क्या घरेलू बिक्रियां व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में की गई थी अथवा नहीं । जांच के

पश्चात यह नोट किया गया था कि संबंधित उत्पाद की औसत बिक्री कीमत संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत से अधिक है तत्पश्चात प्राधिकारी ने यह निर्धारित करने के लिए कि क्या कुल बिक्रियों के 20% से कम अथवा 20 % हिस्से को मात्रा के अनुसार कम लागतों पर बेचा गया है, 80:20 जांच भी कम की गई थी। इस मामले में यह मालूम हुआ था कि कुल बिक्रियों के 20% के हिस्से को घरेलू बाजार में लागतों से कम कीमत पर बेचा गया था। इस प्रकार सहयोगकर्ता निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु केवल लाभकारी सौदों पर ही सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए विचार किया गया है। यह भी नोट किया गया था कि मैसर्स ई टी आई मैडेन ने जांच अवधि के दौरान ***** अमरीकी डालर की कीमत के लिए ***** एम टी संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है तथा भारित औसत सामान्य मूल्य ***** अमरीकी डालर पर प्रति एमटी परिकलित होता है। घरेलू बिक्रियों के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर बिक्री कीमत मैसर्स ई टी आई मैडेन द्वारा यथा सूचित और प्राधिकारी द्वारा यथा सत्यापित प्रहस्तन प्रभारों और अंतर्देशीय भाड़े के लिए समायोजन के पश्चात निर्धारित की गई है। ई टी आई मैडेन के लिए भारित औसत सामान्य मूल्य कारखाना बाह्य स्तर पर ***** अमरीकी डालर प्रति एम टी परिकलित होता है। सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की गणनाओं की गोपनीय प्रति अनुबंध के रूप में संलग्न है।

16. प्रकटन विवरण के पश्चात घरेलू उद्योग ने यह निवेदन किया है कि यह मानते हुए कि ईटीआई के संबंध में पाटन मार्जिन (-) 0.01% है, का प्रस्तावित निर्धारण से गहरा संबंध है। उन्होंने प्राधिकारी से पाटन मार्जिन निर्धारणों की पुनः जांच करने के किए अनुरोध किया। इसके उत्तर में प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन की पुनः जांच की और यह माना कि सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन के लिए इसका निर्धारण सही रूप से किया गया था तथापि प्रतिशत पाटन मार्जिन प्रकटन विवरण में (-) 0.01% दर्शाया गया है जबकि इसे केवल (-) 1.38% होना चाहिए था। इस प्रकार सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन में कोई परिवर्तन नहीं है। प्राधिकारी ने उत्पादन लागत का निर्धारण भी सही ढंग से किया है। निर्यात कीमत के निर्धारण के बारे में घरेलू उद्योग ने यह निवेदन किया है कि यह स्पष्ट नहीं है कि क्या भारत को बोरोकेमी की कीमत को प्रारंभिक निर्यात के रूप में लिया गया है अथवा नहीं। यह पुनः दोहराया जाता है कि प्राधिकारी ने भारत को निर्यात कीमत को प्रारंभिक बिंदु माना है। निर्यात कीमत में समायोजन के बारे में घरेलू उद्योग तुर्की में निर्यातकों के परिसरों के सत्यापन होने के पश्चात सत्यापन रिपोर्ट प्राप्त न होने के बारे में यह पुनरावृत्ति की जाती है कि सत्यापन रिपोर्ट की एक गोपनीय रिपोर्ट की प्रति संबद्ध सभी हितबंध पक्षकारों के लिए सार्वजनिक फाइल में रखी गई थी और घरेलू उद्योग ने किसी भी स्तर पर सार्वजनिक फाइल के निरीक्षण के लिए नहीं कहा था। दिनांक 27.12.05 में और 3 जनवरी 2006 को प्राप्त एक पत्र के उत्तर में प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को सार्वजनिक फाइल में सत्यापन रिपोर्ट का अगोपनीय अंश का रूपांतर होने की सूचना दी थी। और घरेलू उद्योग को यह कहा था कि यदि वे चाहते हों तो सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर ले तभी से घरेलू उद्योग ने सत्यापन रिपोर्ट की एक प्रति प्राप्त की हुई है। घरेलू उद्योग की एक विशिष्ट पूछताछ कि क्या निर्यात कीमत, छूट, परिवहन, बीमा, प्रहस्तन, लगान और अन्य खर्च के लिए कम की गई थी के बारे में यह बताया गया है कि समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, बोरोकेमी इंटरनेशनल सिंगापुर की मार्जिन तुर्की में अंतर्देशीय भाड़ा, पत्तन, प्रहस्तन और पत्तन

प्रभारों को कारखाना बाह्य स्तर पर कीमत परिकलित करने के लिए निर्यात कीमत में से घटाया गया है। इस मामले में भारत में बोरोकेमी का मार्जिन लागू नहीं होता है क्योंकि भारत में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री के लिए वे उत्तरदायी नहीं हैं। इस मामले में भरण लागत शामिल नहीं की गई है क्योंकि सौदे मौके के आधार पर सीएडी और डीपी पर किए गए हैं। बैंक प्रभारों को मैसर्स बोरोकेमी इंटरनेशनल के ऐसे खर्चों के एक भाग के रूप में शामिल किया गया है। बोरोकेमी सिंगापुर के मार्जिनप और निर्यात कीमत से निर्यातिकों और व्यापारियों के लाभों और एसजीए ए को कम करने के लिए यह नोट किया गया है कि तुर्की के उत्पादक ने मैसर्स बोरोकेमी इंटरनेशनल सिंगापुर को संबद्ध वस्तुओं के बीजक भेजते हैं। मैसर्स बोरोकेमी इंटरनेशनल सिंगापुर असंबंधित भारतीय आयातकों को सीधे संबद्ध वस्तुओं की बिक्री करता है इसलिए प्राधिकारी ने भारत को अंतिम निर्यात कीमत को भारतीय ग्राहकों पर मैसर्स बोरोकेमी इंटरनेशनल सिंगापुर द्वारा भेजे गए बीजकों में दर्शायी गई के रूप में दिया है। उक्त कीमत से प्राधिकारी ने समुद्री भाड़ा और समुद्री बीमा जैसे खर्चों को कम कर दिया है। प्राधिकारी ने बोरोकेमी सिंगापुर के खातों के आधार पर मैसर्स बोरोकेमी इंटरनेशनल सिंगापुर के एसजीए खर्चों के लिए 3.80% की और कटौती की है। सत्यपन के दौरान यह पाया गया था कि मैसर्स बोरोकेमी इंटरनेशनल ने संबद्ध वस्तुओं की बिक्री पर 18% लाभ अर्जित किया है। इसलिए प्राधिकारी ने बोरोकेमी सिंगापुर की निवल निर्यात प्राप्ति का परिकलन करने के लिए बोरोकेमी सिंगापुर के लाभ मार्जिन के लिए 18% की कमी की है यह निवल निर्यात प्राप्ति तुर्की के उत्पादक द्वारा प्राप्त की गई एफओबी कीमत के समान है। इसलिए प्राधिकारी ने तुर्की के उत्पादक का एफओ बी कीमत को लिया है और कारखाना बाह्य निर्यात कीमत की गणना करने के लिए अंतदेशीय भाड़े और उत्पादक के प्रहस्तन प्रभारों को घटा दिया है इसलिए यह नोट किया जाता है कि कारखाना बाह्य निर्यात कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ अंसंबंधित भारतीय ग्राहक पर लागू अंतिम निर्यात कीमत से सभी अपेक्षित समायं जन किए गए हैं।

17. घरेलू उद्योग के इन निवेदनों के बारे में कि बोरोकेमी इंडिया भी बोरोकेमी सिंगापुर की असंबद्ध इकाई के रूप में वस्तुओं का व्यापार करता है और बोरोकेमी इंडिया बोरोकेमी सिंगापुर के एजेंट के रूप में काम कर रहा है और बोरोकेमी सिंगापुर की सभी प्रकार की बिक्री कर की सेवा प्रदान कर रहा है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों की जांच की है। रिकॉर्ड्स और दस्तावेजों से यह नोट किया गया है कि बोरोकेमी इंडिया भारत में निर्मित एक निजी लिंग कंपनी है और यह 2003 से बोरोकेमी इंटरनेशनल सिंगापुर की एक आनुषंगिक इकाई है। बोरोकेमी इंडिया का मुख्य व्यवसाय भारत में उनकी अपनी विनिर्माण इकाई में बोरिक एसिड पाउडर का विनिर्माण करना है। वस्तुओं के व्यापार के बारे में घरेलू उद्योग की पूछताछ के संबद्ध में यह निवेदन किया गया है कि वर्ष 2004 (अर्थात् जांच अवधि) के दौरान बोरोकेमी इंडिया ने भारत में घरेलू बाजार (मैसर्स सरल केम (मुबई) से फिर से एक एम टी बोरेक्स डेकाहाइड्रेट खरीदा है और उसको भारत में अपने ग्राहकों को बेचा है। बोरोकेमी की वर्ष 2004 के लिए छठी वार्षिक रिपोर्ट और "अनुसूची एल लेखों के हिस्से नहीं बनते" - क्रम संख्या 13 से यह मालूम होता है कि वर्ष 2004 के दौरान बोरोकेमी इंडिया ने 27404 रुपए की कीमत पर एक एम टी बोरेक्स डेकाहाइड्रेट और उसे भारतीय बाजार में 30,000/- के मूल्य पर बेचा है। इसके अलावा, जांच अवधि के दौरान बोरोकेमी इंडिया की जो संबंधित उत्पाद अर्थात् बोरेक्स डेकाहाइड्रेट से संबंधित का एक भी सौदा हुआ मालूम नहीं होता है। इसी प्रकार वर्ष 2003-04 के दौरान बोरोकेमी इंडिया ने स्थानीय रूप

से 2850 किग्रा० (2.85 टन) की खरीद की और उसे अपने ग्राहकों को बेचा। यह भी निवेदन किया गया है कि 2003 के दौरान बोरोकेमी इंटरनेशनल सिंगापुर को एक ग्राहक ने संबद्ध वस्तुओं के एक कंटेनर (21 टन) के आयात के लिए आर्डर दिया था। जब खेप रास्ते में थी तो ग्राहक मुकर गया। कोई वैकल्पिक ग्राहक तुरंत खोजना संभव नहीं था। इसलिए एक विशेष मामले के रूप में बोरोकेमी इंडिया ने अपने पक्ष में उत्तराई गई हस्तांतरित किए जाने के पश्चात अगस्त, 2002 को माल की प्राप्ति की। संयोगवश यह कार्य मूल पाटनरोधी जांच की शुरूआत से पहले हुआ था माल की प्राप्ति के बाद बोरोकेमी इंडिया ने 18 टन माल एक खेप एजेंट के रूप में यूनाइटेड केमिकल फिरोजाबाद को दे दिया था जिन्होंने उसे बाजार में बेच दिया। शेष 3 टन को 2002-03 के दौरान मुंबई में बेचा गया था।

18. इन एकाध सौदों के अतिरिक्त यह नोट किया गया है कि बोरोकेमी इंडिया का संबद्ध वस्तुओं से कोई संबंध नहीं है।

19. निर्यात कीमत और घरेलू कीमत से प्रहस्तन प्रभारण को कम करने के बारे में यह नोट किया गया है कि प्रहस्तन खर्च अंतर्राष्ट्रीय भाड़े में शामिल किया गया है जिसे निर्यात कीमत में से घट दिया गया है। पाटन मार्जिन के निर्धारण में प्राधिकारी द्वारा लेखे में ली गई विनिमय दर के बारे में यह बताया गया है कि सौदों की तारीखों को तुर्की में प्रचलित वास्तविक विनिमय दर को निर्धारण में अपनाया गया है। घरेलू उद्योग की पूछताछ कि क्या टिनकाल की कोई निर्यात प्रक्रिया नहीं हैं, के बारे में यह नोट किया गया है कि टिनकाल कन्सेंट्रेट का बहुत ही कम प्रतिशत विश्व विद्यालय जैसे ग्राहकों को (अनुसंधान और विकास के प्रयोजनार्थ) तुर्की के घरेलू बाजारों में बेचा जाता है और शेष टिनकाल को अन्य बोरोन उत्पादों के उत्पादन के लिए अपने संयंत्र में प्रयोग किया गया है। तदनुसार प्राधिकारी ने यह माना है कि बोरेक्स डेकाहाइड्रेट के विनिर्गाण में प्रयुक्त मिश्रित और आबद्ध रूप से प्रयुक्त टिनकाल को वास्तविक उत्पाद लागत पर मूल्यांकित किया गया है। उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि टिनकाल की कोई निर्यात प्रक्रिया नहीं हुई है।

20. टिनकाल और इसके तत्वों के उत्पादन भी लागत के बारे में यह नोट किया जाता है कि टिनकाल के उत्पादन की लागत वास्तविक आधार पर ली गयी है और प्राधिकारी ने उसका सत्यागन किया है।

21. आबंटन और संविभाजन विवरण तथा उत्पादन लागत विवरण के बारे में घरेलू उद्योग की पूछताछ के संबंध में यह बताया जाता है कि ई टी आई ने विविध आय की किसी राशि से उसकी उत्पादन लागत को कम नहीं किया गया है। घरेलू उद्योग द्वारा उल्लिखित परिशिष्ट-7 तथा 8 में उत्पादन लागत में कोई कमी प्रदर्शित नहीं होती है।

22. कुल उत्पादन में प्रत्यक्ष श्रम, अप्रत्यक्ष श्रम और अराशफा के आबंटन के बारे में तथा संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन और वस्तुओं के उत्पादन के संबंध में यह बताया गया है कि बी डी एच और अन्य उत्पादों के उनके आबंटन का अनुपात काफी परिवर्तनीय होगा क्योंकि वे तुलनीय नहीं हैं और उन्हें उस आधार पर आबंटित नहीं किया गया है। यह भी नोट किया गया है कि प्रत्यक्ष श्रम

आबंटित नहीं किया जाता है और यह संबद्ध वस्तुओं तथा अन्य उत्पादों के लिए वास्तविक कार्यों पर आधारित है। प्रत्यक्ष खर्च सहबद्ध उत्पादन यूनिटों से संबंधित है। सहबद्ध यूनिटें सेवाओं अथवा संबंधित मुख्य उत्पादन यूनिट द्वारा प्राप्त उत्पादों के आधार पर विभिन्न मुख्य उत्पादन यूनिटों को उनके खर्च के प्रत्यक्ष रूप से आबंटित करती है। इसलिए सहबद्ध उत्पादन यूनिट द्वारा प्रयोग में लाए गए आबंटन का आधार तुर्की के उत्पादक द्वारा अपनाई गई लागत पद्धति में 'प्रत्यक्ष' माना गया है। उसे परिशिष्ट 7 में दर्शाया गया है। तथापि, सहबद्ध उत्पादन इकाइयों में खर्च की गई लागतें, अप्रत्यक्ष लागतें दर्शाती हैं जो कि मुख्य उत्पादन यूनिट को आबंटित की गयी है। तीसरे असाशफा टिनकाल के उत्पादन की लागत जमा खातों से कारखाने तक परिवहन खर्च दर्शाती है। यह वास्तविक खपत के आधार पर संबद्ध वस्तुओं और अन्य उत्पादों को आबंटित किया जाता है। यह वही अनुपात नहीं हो सकता जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष श्रम का है।

23. कंपनी के वित्तीय खर्चों के बारे में यह बताया गया है कि वित्तीय खर्चों के दावे वास्तविक आधार पर किए गए थे। संबद्ध वस्तुओं और अन्यों के बीच एच जी ए और ब्याज के संविभाजन के बारे में यह बताया गया है कि एच जी ए और ब्याज के खर्च कारोबार के आधार पर आबंटित किए गए हैं तथापि प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करते समय कारोबार का प्रतिशत गलत ढंग से लागू किया गया था। इसलिए सही आबंटन दर्शाते हुए एक संशोधित परिशिष्ट 7 और 8 सत्यापन दौरे के समय सोंपा गया था और उसे सत्यापित किया गया था।

24. जहाँ तक अन्य देशों को निर्यात के सौदे वार आंकड़ों का संबंध है यह नोट किया जाता है कि जब सामान्य मूल्य की गणना घरेलू बिक्री कीमतों के आधार पर की जा रही है तो तीसरे देशों के लिए निर्यात कीमतों के सौदेवार आंकड़े एकत्र करने की कोई जरूरत नहीं है। किसी भी मामले में परिशिष्ट - 2 और परिशिष्ट - 3 से तीसरे देशों को हुए निर्यातों की मात्रा और मूल्य का पता चल जाता है। यह निर्धारित करने के लिए यह सूचना पर्याप्त मानी जाती है कि क्या भारतीय निर्यात कीमतें उसी स्तर पर हैं जितनी कि अन्य देशों के लिए निर्यात कीमतें हैं।

निर्यात कीमत

25. भारत को जब उत्पाद बेचा गया उसके लिए मैसर्स ई टी आई मेडेन हेतु निर्यात की तरीका निर्यातक मैसर्स बोरोकेमी इटरनेशनल द्वारा वास्तविक प्रदत्त या संदेय कीमत के आधार पर प्रतिष्ठित किया गया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अधिक के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं का **** एम टी **** अमरीकी डालर का निर्यात किया गया था। निर्यातक ने बाह्य फैक्टरी निर्यात कीमत पर पहुंचने के लिए छूट, परिवहन, बीमा, प्रहस्तन अपभारन (लोडिंग) तथा अन्य खर्चों के बावजूद समायोजन किया था। बाह्य फैक्टरी स्तर पर भारित निवल निर्यात कीमत **** अमरीकी डालर/एम टी होता है।

पाटन मार्जिन

26. सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम और पाटनरोधी नियमावली में यथा निर्धारित सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन के निर्धारण को विनियोजित करे वाले सिद्धांत नियमावली के अनुबंध । में विस्तार से दिए गए हैं । पाटन मार्जिन भारित औसत सामान्य मूल्य की भारित औसत निर्यात कीमत के साथ तुलना के आधार पर साबित किए गए । इंटी आई मैडेन से संबद्ध वस्तुओं के निर्यात के लिए पाटन मार्जिन सहयोगी निर्यातक के लिए प्राधिकारियों द्वारा नकारात्मक रूप में मूल्यांकित किया गया है ।

तुर्की से अन्य निर्यातक

27. तुर्की से संबद्ध वस्तु के अन्य उत्पादक नहीं हैं और सभी संबद्ध वस्तुएं उनके निर्यातक मैसर्स बोरेकेमी इंटरनेशनल द्वारा निर्यात की गयी है । इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि प्राधिकारी ने संबद्ध देश से 100 प्रतिशत निर्यातों की जांच की है और यह तथ्य भी कि उस देश से कोई अन्य उत्पादक नहीं है तथा जांच अवधि के दौरान तुर्की से संबद्ध वस्तु का अन्य निर्यातक नहीं है । यह उधित समझा गया है कि मूल जांच में संयुक्त सहयोगी निर्यातक के लिए यथापरिकलित पाटन की मार्जिन पर अवशिष्ट पाटन मार्जिन को आधारित रखा जाए । इस प्रकार तुर्की से बोरेक्स डेकाहाइड्रेट के असहयोगी/अन्य निर्यातकों के मामले में पाटन मार्जिन नकारात्मक रूप में मूल्यांकित किया गया है ।

28. निर्यातक विनिर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा की गयी गणना से सहमत है और इससे मालूम हुआ है कि पाटन मार्जिन नकारात्मक है । वे निर्यातक और आयातक के बीच प्रतिपूरक प्रबंध के संबंध में नकारात्मक निष्कर्ष के संबंध में प्राधिकारी के निर्णय के साथ भी सहमत हैं । अंततः निर्यातक ने निवेदन किया है कि पाटन की पुनरावृत्ति के संबंध में निर्धारण का प्रावधान छब्ल्यू टी ओ के करार के अनुच्छेद 11.3 में ही दिया गया है जिसके अंतर्गत निर्णायक समीक्षा की कार्यवाही की जाती है । निर्यातक ने यह भी बताया है कि पाटन और क्षति की पुनरावृत्ति जारी रहने की संभावना के मुद्दे की जांच करने के लिए प्राधिकारियों के लिए अपेक्षित कोई विशिष्ट प्रावधान अनुच्छेद 11.2 में स्पष्ट रूप से अनुपस्थित हैं । निर्यातक ने प्राधिकारी से नकारात्मक पाटन मार्जिन निर्धारित होने के कारण जांच को समाप्त करने का अनुरोध किया है ।

तुर्की के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण

उत्पादक/निर्यातक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %
इंटी आई होल्डिंग्स	****	****	****	-1% (नकारात्मक)
तुर्की तथा मै0 बोरेकेमी इंटरनेशनल				
तुर्की में अन्य उत्पादक	****	****	****	-1% (नकारात्मक)

निर्यातक और आयातक के बीच प्रतिपूरक व्यवस्था के संबंध में घरेलू उद्योग के अन्य दावों की जांच

29. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए इस दावे की भारत में संबद्ध वस्तुओं के निर्यातक और विभिन्न आयातकों के बीच प्रतिपूरक व्यवस्था हो सकती है, के बारे में प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के 2 सबसे बड़े आयातकों से सूचना मांगी थी जिन्होंने मैसर्स बोरोकमी इंटरनेशनल निर्यातकों से बोरेक्स डेकाहाइड्रेट का आयात किया है। निर्यातक प्रश्नावली के परिशिष्ट-2 की जांच करने के बाद प्राधिकारी ने दो आयातकों अर्थात् मैसर्स भंसाली केमिकल्स चेन्नई और मैसर्स यूनाइटेड केमिकल्स इंडस्ट्री, फिरोजाबाद, भारत से पूछा था। दोनों आयातकों से उनके द्वारा आयातित संबद्ध वस्तु की मात्रा और मूल्य और स्वतंत्र ग्राहक अथवा प्रयोगकर्ता को उनके द्वारा बेची गयी संबद्ध वस्तु की मात्रा और मूल्य के अनुसार सूचना भेजने का अनुरोध किया गया था। दोनों आयातकों से लाभ और हानि लेखों के तुलनपत्र जहां तक इनका संबंध संबद्ध वस्तु से है प्रस्तुत करने के लिए ही कहा गया था। जांच के दौरान प्राधिकारी ने मैसर्स बोरोकमी इंटरनेशनल द्वारा उपलब्ध कराए गए आयात बीजकों और स्वतंत्र ग्राहकों जिनको उन्होंने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की बिक्री की थी, के संबंध में बिक्री बीजकों की भी जांच की थी। सभी रिकॉर्डों की जांच के पश्चात यह पाया गया कि दोनों आयातकों ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु को उस कीमत पर बेचा था जो उन कीमतों से अधिक थी जिस पर अन्य बातों के साथ-साथ सीमाशुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, भाड़ा और अन्य प्रभारों समेत विभिन्न खर्चों के घटक को शामिल करने के पश्चात माल आयात किया है। उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि तुर्की से संबद्ध वस्तुओं की भारत में विभिन्न आयातकों को बिक्री के बारे में निर्यातक और आयातक के बीच कोई प्रतिपूरक व्यवस्था मौजूद नहीं थी।

परिवर्तित परिस्थितियों का अंतिम स्वरूप और पाटन की संभावना

30. उत्पादक और निर्यातक ने पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 11.2 और पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 को यह कहते हुए उद्धृत किया है कि मध्यावधि समीक्षा शुरू करना सही है क्योंकि उन्होंने समीक्षा की आवश्यकता को साबित करने के लिए सकारात्मक सूचना प्रस्तुत की थी हालांकि वे मानते हैं कि ऐसी कोई आवश्यकता नियम 23 से अपेक्षित नहीं है।

31. प्राधिकारी की प्रथाओं के अनुसार यह जांच की गयी थी कि क्या परिवर्तित परिस्थितियों को अंतिम स्वरूप का कहा जा सकता है अथवा यदि पाटनरोधी शुल्क को वापस ले लिया जाए तो पाटन की पुनरावृत्ति होने के अवसर होंगे। रिकॉर्डों की जांच के पश्चात यह मालूम हुआ था कि याचिकाकर्ताओं ने पिछले 3 वर्षों के दौरान तथा जांच अवधि के दौरान भारत के अतिरिक्त देशों से संबद्ध वस्तु का काफी निर्यात किया था। इस संदर्भ में यह उल्लेख किया जा सकता है कि भारत के अलावा देशों और भारत को निर्यात जांच अवधि के दौरान और उससे पहले के दो वर्षों में पर्याप्त रूप से बढ़ गए थे। जांच अवधि के दौरान यह देखा गया था कि संबद्ध वस्तु के निर्यात अगस्त में बढ़ने के पश्चात कम हो गए थे जबकि भारत के अतिरिक्त अन्य देशों को निर्यात जांच अवधि के दौरान बहुत अधिक रहे थे।

32. यह मालूम हुआ था कि पूरी जांच अवधि और उससे 2 वर्ष पहले घरेलू बाजार में अत्यधिक बिक्रियां हुई थीं। वास्तव में घरेलू बिक्री जांच अवधि के उत्तराधि में मामूली सी बढ़ गई थीं।

33. उत्पादक और निर्यातक के रिकॉर्डों की जांच करने से यह उचित समझा गया था कि निर्यातक देश के घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की घरेलू मांग भविष्य में बढ़ी हुई मानी जाए। हालांकि भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात मूल जांच के समय से काफी बढ़ गया है और यही बात अन्य देशों तथा निर्यातक देश के घरेलू बाजार में निर्यातकों के मामले में हुई है। वास्तव में अन्य देशों को निर्यात लगातार बढ़ रहे हैं और भारत को हुए निर्यातों का छह गुना है इसके अतिरिक्त तुर्की में उत्पादक की अतिरिक्त उत्पादन क्षमता मूल जांच के समय से कम हो गयी है और निर्यातक की कम मुक्त निपटान क्षमता जिससे अतिरिक्त निर्यातों को खपाने के लिए अन्य निर्यात की बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए आयातक सदस्य बाजार में अधिक पाठित आगात के पर्याप्त रूप से बढ़ने की संभावना का संकेत नहीं मिलता है।

34. प्राधिकारी ने यह निर्धारण करने के लिए कि क्या मूल जांच के पश्चात सामान्य मूल में कभी अंतिम स्वरूप की है और क्या संबद्ध वस्तु की कीमतें दुबारा बढ़ने की संभावना है जैसा कि मूल जांच के दौरान देखा गया था कि प्राधिकारी ने तुर्की में जांच अवधि के पश्चात घरेलू बिक्री कीमत की भी जांच की है। प्राधिकारी ने जांच अवधि के पश्चात कुछ बीजकों की जांच के बाद यह नोट किया कि बिक्रियां समान कीमत श्रृंखला पर की गई हैं जैसा कि मध्यावधि समीक्षा की जांच अवधि के दौरान नोट किया गया था। भारत में आयातों की कीमतों तथा अन्य देशों में आयातों की कीमतों के बारे में यह नोट किया गया है कि निर्यातक ने मूल जांच अवधि के समय से निर्यातक ने भारत के लिए अपनी कीमतों में काफी वृद्धि की है हालांकि उत्पादक के साथ निर्यातक की संविदात्मक कीमत काफी हद तक बही रहती है। तब यह जांच करने का निर्णय लिया गया कि क्या निर्यातक द्वारा वसूली गई निर्यात कीमतें अंतिम स्वरूप की हैं अथवा भारत के लिए कीमतें बढ़ाकर पाटन मार्जिन का कोई विलय किया गया है। इस संबंध में प्राधिकारी ने मैसर्स बोरोकेमी इंटरनेशनल द्वारा संबद्ध वस्तुओं के दो सबसे बड़े आयातकों की पुनः बिक्री कीमत की जांच की है और प्राधिकारी ने मौके पर जांच के पश्चात् और रिकॉर्डों की जांच के बाद यह नोट किया है कि स्वतंत्र ग्राहकों को संबद्ध वस्तु की पुनः बिक्री कीमत उत्तराई प्रभार के घटक और सभी शुल्कों को लेखे में शामिल करते हुए संबद्ध वस्तु की उत्तराई कीमत से अनुकूल रूप से अधिक है।

35. जहाँ तक भारत में आयातों की कीमतों और दूसरे देशों को आयातों की कीमतों का संबंध है यह नोट किया जाता है कि निर्यातक ने मूल जांच अवधि के बाद भारत के लिए अपनी कीमत में पर्याप्त वृद्धि की है यद्यपि उत्पादक के साथ निर्यातक की संविदागत कीमत कमोवेश वही रही है। तब इस बात का सत्यापन करने का निर्णय लिया गया था कि क्या निर्यातक द्वारा वसूली गई निर्यात कीमत अंतिम है अथवा यदि भारत के लिए कीमतों में वृद्धि द्वारा पाटनरोधी शुल्क को समायोजित किया गया है। इस संबंध में प्राधिकारी ने मैरिस बोरोकेमी इंटरनेशनल द्वारा संबद्ध वस्तु के सबसे बड़े दो आयातकों की पुनः बिक्री कीमत का सत्यापन किया है और मौके पर सत्यापन तथा रिकॉर्डों की जांच के बाद यह निर्णय लिया गया था कि स्वतंत्र क्रेताओं के लिए संबद्ध वस्तु की पुनः

बिक्री कीमत उत्तराई प्रभारों एवं समस्त शुल्कों के घटक को ध्यान में रखने के बाद संबद्ध वस्तु की पहुँच कीमत से लगातार अधिक रखी गयी है।

36. प्रकटन विवरण के पश्चात् घरेलू उद्योग ने परिवर्तित परिस्थिति और पाटन की संभावना के अंतिम स्वरूप पर टिप्पणी की है। घरेलू उद्योग द्वारा उल्लिखित अमरीकी और यूरोपीय संघ की प्रथाएं, वर्तमान मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर कड़े तौर से लागू नहीं किए जा सकते। घरेलू उद्योग द्वारा उल्लिखित धारा 751 (ग) निर्णायिक समीक्षा से संबंधित है और यह पूरी तरह सुसंगत नहीं हो सकती। तथापि मूल उद्देश्य यह जांच करना है कि क्या निर्यातक ने निर्यात कीमतों को कृत्रिम रूप से बढ़ाया है ताकि किसी समीक्षा में उसके समाप्त होने के पश्चात् कीमतों को घटाने की संभावना के साथ बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकें। इस संबंध में सामान्यतः 2 संकेतकों की जांच की जा सकती है। पहला तीसरे देशों को निर्यात कीमत, दूसरा भारत में भारतीय आयातक द्वारा आयातित वस्तु की पुनः बिक्री कीमत।

37. भारत में निर्यात कीमत के साथ अन्य तीसरे देशों के लिए निर्यात कीमतों की तुलना से यह संकेत मिलता है कि क्या कीमतों के दोनों सेट एक ही शृंखला में हैं। यदि भारत के लिए निर्यात कीमत अन्य देशों की निर्यात कीमतों से काफी अधिक है तो संभवतः यह इस बात का संकेत हो सकती है कि भारत के लिए निर्यात कीमत अन्य देशों के लिए विद्यमान कीमत स्तरों से कम हो सकती है। परिशिष्ट - 2 के अवलोकन से यह मालूम होता है कि भारत के अतिरिक्त तीसरे देशों के लिए निर्यात कीमत 1.04 रूपए है जबकि भारत के लिए निर्यात कीमत 0.87 रूपए है। भारत और अन्य देशों को बेची गयी मात्रा और उसके लिए निर्यात कीमतें निम्नानुसार हैं :-

<u>विवरण</u>	<u>मात्रा</u>	<u>इकाई कीमत (सूचीबद्ध संख्या)</u>
भारत को निर्यात	11.76	0.87
अन्य देशों को निर्यात	77.18	1.04

38. अतः यह देखा जा सकता है कि अन्य देशों को किए जाने वाले निर्यातों की मात्रा, भारत को किए जाने वाले निर्यातों से सात गुणा अधिक थी। अन्य देशों को किए जाने वाले निर्यात की कीमत (उत्पादक मै 0 ई टी आई द्वारा प्रभारित) भी भारत को किए गए निर्यातों की कीमत से लगभग 19 प्रतिशत अधिक थी। इन परिस्थितियों में, भारतीय निर्यात कीमतों को उच्च नहीं कहा जा सकता है, जिसमें आगे और भी गिरावट आ सकती है। अतः तीसरे देश की निर्यात कीमतों के आधार पर भारत को किए जाने वाले निर्यात की कीमत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता अथवा किसी प्रकार का अधोगामी समायोजन नहीं किया जा सकता है।

39. दूसरा, प्राधिकारी ने वार्तव में भारत के आयातकों का सत्यापन किया है। भारतीय आयातकों ने उत्पाद के आयात पर आई लागत की तुलना में काफी अधिक कीमत पर भारत में अन्य ग्राहकों को उत्पाद की पुनः बिक्री की है। अतः यह स्पष्ट है कि भारत को किए जाने वाले निर्यात की कीमत कृत्रिम रूप से उच्च नहीं है परंतु भारत को होने वाले व्यापार की सामान्य प्रक्रिया

में है, जिससे बाजार की उच्च कीमतों ग्रहण करने की क्षमता प्रदर्शित होती है। अतः निर्यात कीमतों को नजरअंदाज करने और घरेलू उद्योग के अनुसार तीसरे देशों की निर्यात कीमत पर विश्वास करने का कोई ठोस आधार नहीं है। घरेलू उद्योग के इस प्रश्न के संबंध में कि क्या पाटन मार्जिन न्यूनतम से कम होने पर शुल्क रद्द किया जा सकता है, यह नोट किया गया है कि समीक्षा के लिए जांच की अवधि से संबंधित तथ्यपरक आंकड़ों के सत्यापन के आधार पर कोई पाटन नहीं हुआ है। चूंकि संबद्ध वस्तुओं के उत्पादक मै 0 ई टी आई द्वारा बोरोकेमी इंटरनैशनल (निर्यातक) भारत से प्रभारित निर्यात कीमतें, अन्य देशों को मै 0 ई टी आई द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तुओं की कीमतों से अत्यंत कम है, इसलिए यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि कीमतों में और अधिक गिरावट आएगी और उनसे निर्यात कीमतों में आया कोई अस्थाई अथवा कृत्रिम परिवर्तन प्रदर्शित होगा। इसके अतिरिक्त आयातकों ने भारत में उपभोक्ताओं को अत्याधिक उच्च कीमत पर उत्पाद की पुनः विक्री की है। इससे यह स्पष्ट मालूम होता है कि भारतीय बाजार इस कीमत को ग्रहण करने में सक्षम है।

40. अतः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि याचिकाकर्ताओं द्वारा संबद्ध वस्तुओं की बिक्री के संबंध में पाटन पद्धतियों का दोहराव असंभाव्य है।

च. निष्कर्ष:

41. प्राधिकारी ने उपर्युक्त पर विचार करने के पश्चात इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि

- I. तुर्की से आयातों के संबंध में संबद्ध वस्तुओं के लिए कोई पाटन मार्जिन निर्धारित नहीं किया गया है और तुर्की से संबद्ध वस्तुओं के लगातार पाटन की कोई संभावना नहीं है।
- II. उपर्युक्त के मद्देनजर, पाटन और घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को समाप्त करने के लिए तुर्की से संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क को लागू रखना आवश्यक नहीं है।

42. इस निष्कर्ष पर पहुँच कर कि तुर्की से संबद्ध वस्तुओं के आयात के आधार पर संबद्ध वस्तुओं के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया गया है और तुर्की से संबद्ध वस्तुओं के पाटन की कोई संभावना नहीं है, प्राधिकारी तुर्की पर शुल्क लगाए रखने का कोई औचित्य नहीं पाते हैं और इसलिए उक्त नियमावली के नियम 23 के संदर्भ में तुर्की पर लागू शुल्क को रद्द करने की सिफारिश करते हैं। अतः उपर्युक्त के मद्देनजर, प्राधिकारी, दिनांक 21/11/2003 की अधिसूचना सं 14/40/2002-डीजीएडी के द्वारा पूर्व में संस्तुत और दिनांक 7/1/2004 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं 2/2004-सी.शु. द्वारा तुर्की पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की वापसी की सिफारिश करते हैं।

क्रिस्टी फर्नांडेज, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 3rd February, 2006

FINAL FINDINGS

Subject : Mid-term Anti-dumping review investigations in the matter relating to imports of Borax decahydrate from Turkey.

A. BACKGROUND OF THE CASE

No. 15/1/2005-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as the Rules), vide Notification No. 14/40/2002-DGAD dated 21st November 2003, the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) notified its final findings recommending definitive anti-dumping duty on import of Borax decahydrate (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from the Turkey and China PR. The definitive anti-dumping duty was imposed on the subject goods vide Customs Notification No. 2/2004-Customs dated 7-1-2004.

2. Whereas the Rules require the Authority to review, from time to time, the need for continued imposition of Anti-Dumping Duty and if it is satisfied, on the basis of positive information received by it that there is no justification for continued imposition of such duty, the Authority may recommend to the Central Government for its withdrawal. Notwithstanding, the above provision, the Authority is required to review, on the basis of positive information submitted by any interested party substantiating the need for a review, provided that a reasonable period of time has elapsed since the imposition of the definitive anti-dumping duty, whether continued imposition of the duty is necessary to offset dumping, whether the injury would be likely to continue or recur if the duty were removed or varied, or both. In terms of the above provisions, the producer M/s ETI Maden Isletmelerie Genel Mudurlugu (hereinafter also referred to as ETI Maden), Turkey and exporter M/s Borochemie International Pte Ltd, Singapore filed a request for a changed circumstances mid-term review of the anti-dumping duty in force.

3. The producer M/s ETI Maden, Turkey and exporter M/s Borochemie International Pte Ltd, Singapore listed the following grounds for changed circumstances review

1. The CIF export price to India has increased and the landed value is higher than the reference price fixed.
2. The Customs duty on Borax decahydrate(BDH) has been reduced from 30% to 20%.
3. The normal value has come down significantly.

This change in circumstances was considered appropriate to initiate a review.

4. Having decided to review the final findings notified vide Notification No 14/40/2002-DGAD dated 21st November 2003, the Authority initiated the investigations in terms of the Rule 23, to review whether continued imposition of the duty on imports of Borax Decahydrate originating in or exported from the Turkey is necessary to offset dumping, whether the injury would be likely to continue or recur if the duty were removed or varied, or both.

B. PROCEDURE

5. The procedure described below has been followed with regard to this investigation:
 - i) After initiation of the review the Authority sent questionnaires, along with the initiation notification, to all known exporters/producers in the subject country, and domestic industry in India in accordance with the Rule 6(4), to elicit relevant information;
 - ii) The Embassy of the subject country in New Delhi were informed about the initiation of the investigation, in accordance with Rule 6(2), with a request to advise the exporters/producers in their respective countries to respond to the questionnaire within the prescribed time.
 - iii) Questionnaires were sent to known importers and consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4).
 - iv) Investigation was carried out for the period starting from 01.01.2004 to 31.12.2004 (POI). However, injury examination was conducted for a period from 2000-01 to the end of POI.
 - v) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigations;. However, the DGCI&S report has not been relied upon in this investigations as they were understated in terms of quantities imported from the subject country and further, it was seen that many imports effected from ICD's (for example ICD Ferozabad) were not taken into account by DGCI&S.

- vi) No response to the initiation notification was received from any other exporter except M/s Borochemie international, and M/s ETI, Maden, Ankara.
- vii) No other exporter from Turkey has submitted any response, in any manner, to the initiation notification.
- VIII) M/s Borax Morarji, the domestic producer of the subject goods and the applicant in the original investigation submitted its responses opposing the review. However, M/s. Raj Industries, Valsad, Gujarat, who are also the manufacturers of borax and allied chemicals have submitted that imports from Turkey do not cause any injury to their production and sale of borax decahydrate. They have further added that they would have no objection if antidumping duty is removed on imports of borax decahydrate into India from Turkey. Another domestic industry M/s. Shakti Borax Pvt. Ltd have submitted that imports from Turkey are not a threat to their operations and they have requested the Authority not to impose any antidumping duty on imports of Borax Decahydrate into India from Turkey.
- ix) The Authority has considered all views expressed and submissions made by various interested parties to the extent they are relevant for the present investigation.
- x) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- xi) The Authority examined the information furnished by the domestic industry to the extent possible examine the injury suffered by them.
- xii) The Authority also verified the data of the cooperating exporter and applicant for the subject review, to determine the normal value and dumping margin as per the Rules. The Authority also examined the import information and resale price of some of the importers of the subject goods from Turkey. Following verification, a copy of the verification report was sent to the exporters for their comments and the comments received have been incorporated in the final findings. A copy of the Non-confidential verification report was also placed in the public file for the information of all other interested parties.
- xiii) The Authority held a public hearing on 16th August 2005 to hear the interested parties orally, which was attended by representatives of the domestic industry, exporters of the subject goods from the subject countries. The parties attending the public hearing were requested to file written submissions of views expressed orally. The written submissions received from interested parties have been considered by Designated Authority in this finding to the extent these have been considered relevant to the investigation.

In accordance with Rule 16 of The Rule supra, the essential facts/ basis considered for these findings were disclosed to known interested parties on 24th November 2005 and comments received on the same are duly considered in Final Findings.

xiv) **** In the Notification represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND 'LIKE ARTICLE'

6. The product involved in the original investigation and the current review is Borax Decahydrate (BDH) falling under heading No.284019 in Chapter 28 of the First Schedule to the said Customs Tariff Act and ITC HS classification. This classification, however, is indicative only and, in no way, binding on the scope of the present investigation. There are no arguments on the product under consideration. As regards like article, it is noted that there is no significant difference in Borax Decahydrate produced by the domestic industry and those imported from and sold in the subject countries. Borax Decahydrate produced by the domestic industry and imported from subject countries are comparable in terms of physical characteristics, functions and uses, specifications, distribution and marketing, pricing and tariff classification of goods. The consumer can use and are using Borax Decahydrate imported from the subject countries and Borax Decahydrate produced by the domestic industry interchangeably. Thus, borax decahydrate produced by the domestic industry are considered as domestic like product to those imported from Turkey.

D. Initiation of the Review, arguments raised by various interested parties and Examination by the Authority

7. The domestic industry has drawn the attention of the Authority towards the fact that there are insufficient grounds for review brought out by the petitioner in this case. In this regards, they have submitted that there are three tests, which are required to be considered by the Designated Authority in the case of midterm review under rule 23. These tests are identification of specific factors which would constitute sufficiently changed circumstances to warrant a review, the dumping or injury would be unlikely to continue or reckon if the measures were removed or changed and whether because of existing measures, the domestic industry has been able to offset injury and counteract dumping which was causing injury or the duty is no longer sufficient to counteract dumping which is causing injury. In the present case, the domestic industry has submitted that the alleged circumstances do not constitute changed circumstances warranting midterm review and the application filed by M/s. ETI Holdings and exporter Borochemie International lacks positive evidence demonstrating changed circumstances warranting a midterm review. The domestic industry has also submitted that higher landed value of subject goods from subject country does not imply the

absence of dumping or injury to the domestic industry. It has also been submitted by domestic industry that there is a possibility of compensatory arrangement between exporter and importer. The domestic industry has also submitted that the exporter is required to establish no likelihood of dumping with the revocation of antidumping duties. They have further added that onus of establishing the need for withdrawal is on the petitioner. With regard to the dumping of the subject goods the domestic industry has requested the Authority to investigate the claims of the exporter with regard to cost of production and whether the same reasonably reflects the cost associated with the production and sale of the product under consideration. The domestic industry has also requested the Authority to verify the adjustments on account of its own expenses and profits. With regard to likelihood of dumping the domestic industry has submitted that the selling prices in the Indian market have not improved despite increase in the export price or the landed value of imports and therefore, these landed prices of imports could at best be temporary and artificial. They have also submitted that a number of producers of the product under consideration in India have suspended production in the last few years. Thus, the market for foreign producers has increased and is likely to be attractive to the petitioner. With regard to the injury to the domestic industry the domestic industry has provided information in the form and manner prescribed. In particular, the domestic industry has submitted that imports have increased not only in absolute terms but also in relation to production and consumption of subject goods in India and the market share of imports from subject country in total imports as well as in total demand has increased. It has also been added by the domestic industry that sales, production and capacity utilization of the domestic industry has declined and the domestic industry is holding substantial inventories of the subject goods. The domestic industry has also submitted that the decline in the productivity, positive price undercutting and sub optimal return on capital employed have affected the domestic industry in such a way that it continues to make financial losses despite the imposition of antidumping duty. It has also been submitted that such injury would only intensify should the present antidumping duties be withdrawn at this premature stage. At the end the domestic industry has submitted that the Designated Authority should restrict the scope of review only to dumping aspect through corrigendum.

8. The petitioners to this Midterm Review, namely, M/s. ETI Maden, Turkey and M/s. Borochemie International Pte. Ltd dispute the claims of the domestic industry with regard to wrong initiation. They maintain that the three changed circumstances brought out by them in their review application aptly demonstrated the need for midterm review. They have also submitted that positive information was supplied by them to the Authority for initiating the midterm review. It has also been submitted by them that one year period has already lapsed in this case after the imposition of antidumping duty and one year time frame could be considered as a reasonable period of time. They have also maintained that they took part in the original investigations as an exporter and producer of subject goods in the subject country and they are thus, an interested party under the

Antidumping Agreement. With regard to the prices of subject goods in Turkey and exports to India they requested the Authority to examine the detailed transactions in the home market and exports of subject goods to India. The "Petitioners" further pointed out that the producer in Turkey is ETI Maden (formerly known as ETI Holding). ETI Maden has a number of factories, and one such factory at Bandirama is engaged in the manufacture of BDH. Thus, the producer and the exporter in Turkey is only one legal entity ETI Maden and the goods has been shipped directly from Turkey to India. However, the final invoice on the importer in India is raised by Borochemie International Pte, Singapore (Borochemie), to whom the goods had been sold by ETI Maden. As in the original investigation, both ETI Maden and Borochemie International have submitted confidential and non-confidential versions of their questionnaire response. The Authority was requested to depute a team of officers to verify the information and decide the case accordingly. The petitioners also agreed for verification of the entire cost data pertaining to the cost of production of subject goods in Turkey. The petitioners have strongly disputed the claim of domestic industry with regard to compensatory price arrangement with the Indian importers and had offered for verification of any resale price of the importers in India should the Designated Authority decide to verify the same. Incidentally, the petitioners have not made any claims with regard to injury to the domestic industry.

9. The Authority has carefully examined various submissions made by the interested parties in connection with the initiation of this review investigation.

10. Rule 23 of the Anti Dumping Rules provides that the Designated Authority shall, from time to time, review the need for continued imposition of anti dumping duty and if it is satisfied on the basis of information received by it that there is no justification for the continued imposition of such duty, shall recommend to the Central Govt. for its withdrawal.

11. Article 11.2 of the Agreement provides that the Authority shall review the need for the continued imposition of the duty, where warranted, on their own initiative or, provided that a reasonable period of time has elapsed since the imposition of the definitive anti dumping duty, upon request by any interested party which submits positive information substantiating the need for a review. Interested parties shall have the right to request the authorities to examine whether the continued imposition of the duty is necessary to offset dumping, whether the injury would be likely to continue or recur if the duty were removed or varied, or both. If, as a result of the review under this paragraph, the authorities determine that the anti dumping duty is no longer warranted, it shall be terminated immediately. The Authority holds that it has been its consistent practice to commence a review at the substantiated request of an interested party only after a lapse of one year from the date of imposition of Anti dumping duty and this requirement has been notified by a trade notice 1/99. In this instance case, the review has been accordingly initiated 13 months after the date of imposition of anti dumping duty.

12. The domestic industry has argued that under Article 11.2 of ADA read with Rule 23 of Indian Antidumping Rules, substantiation of grounds of review are mandatory and the applicant has failed to do so. Therefore, the initiation of the review is flawed. The Authority notes the "Petitioners" had submitted positive information, inter alia that the domestic price has come down subsequent to the imposition of the final anti-dumping duty. It was also added that in comparison with the domestic selling price (normal value) of BDH in Turkey, in the original investigation, there is a significant reduction in the domestic selling price, ranging from about 15% to 20%. Invoices in support of the current domestic prices were also submitted along with request for initiation. It was further submitted that in the original investigation a variable anti-dumping duty based on a reference price was imposed. This reference price was at the landed level and hence included customs duty at 30% as applicable during the original period of investigation. Subsequent to the imposition of the anti-dumping duty, the customs duty on BDH has been reduced from 30% to 20%. Therefore, it was submitted by the petitioners that even if everything else remains the same, the reference price should come down corresponding to the decrease in the customs duty warranting a review to refix the reference price. The above submissions have been considered as positive evidence by the Authority for initiating a mid term review.

13. Based on the non-confidential version of the response, a submission was made by the domestic industry that the claim of the "Petitioners" that there was a reduction in normal value was not true. It was pointed out that as per Appendix 2A the average price for the domestic market was indexed at 0.88 in 2002 and 2003, whereas it had come down only to 0.86 in 2004. In this connection, it may be pointed out that the average rate shown for the years 2002 and 2003 is based on the average exchange rate that prevailed during the said years. However, in the original investigation, the Authority has taken the view that since there was significant fluctuation in the exchange rate, each transaction in the domestic market should be converted into US \$ at the exchange rate applicable on the date of the transaction. Incidentally, during the verification, it was noted that all the domestic sales invoices of the subject goods had also carried the amount in US \$ based on the exchange on the particular day of the sale. On this basis, the normal value was determined, which resulted in dumping margin of 12.44%. The Authority notes that the petitioners had adopted similar methodology in making its claim that the domestic price for the period of review is significantly lower than the domestic price which was prevalent (as determined by the Authority) during the period of original investigation. Hence the Authority notes that the claim has been rightly made by them in their request for a review. On the basis of above, the Authority concludes that the midterm review of antidumping duty imposed on Borax decahydrate from Turkey has been correctly initiated.

E. DUMPING DETERMINATION

NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

14. Under Section 9A (1) (c) of the Customs Tariff Act 1975, Normal value in relation to an article means:

- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (ii) When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:
 - (a) Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

15. The producer in Turkey is ETI Maden (formerly known as ETI Holdings). ETI Maden has a number of factories, and one such factory at Bandırma is engaged in the manufacture of BDH. It has also been noted that the producer and the exporter in Turkey is only one legal entity and the subject goods have been shipped directly from Turkey to India. However, the final invoice on the importer in India is raised by Borochemie International Pte. Singapore, to whom the goods had been sold by ETI Maden. Thus, in the present investigations, M/s ETI Maden (name changed after the original investigations where it was ETI Holdings, A.S.) exported borax decahydrate to India during the POI and previous two years through their agent M/s. Borochemie International Pte. Limited, Singapore. M/s. ETI Maden has submitted that it manufactures the subject goods and sells in the domestic market thorough its depots throughout the country. However, it does not export the product directly as it exports to India through M/s. Borochemie International Pte. Limited, Singapore. Both the producers as well as the exporter have submitted response to the exporter's questionnaire. In order to establish normal value for only exporter/producer M/s. ETI Maden, in Turkey, it was first determined that whether the total domestic sales of the subject goods by the producer M/s. ETI Maden was representative when compared to their total sales of the subject goods concerned sold in the exporting country and

whether their sales are under ordinary course of trade in terms of Rule 2 of the annexure to the anti-dumping rules. The Authority notes that the domestic sales of the M/s. ETI Maden were representative sales. For the determination of the ordinary course of trade test, the cost of production of the product concerned was examined with reference to the records maintained by the producer and verification done by the Authority. It was noted that Tincal Concentrate, which is the raw material for the manufacture of BDH, is mined and extracted at Kirka. Kirka also produces Borax Renta Hydrate (BPH).

vii) No other works of ETI Maden is involved in the extraction of Tincal or Tincal Concentrate, that was also verified that the Tincal Concentrate extracted at Kirka is being used/captively for the manufacture of BPH and is also transferred to Bandirma Boron Works for use in the manufacture of BPH and Borax dehydrate (BDH). It is recalled that there has been arguments from the domestic industry that the Authority must verify the cost of the production of the major input it was also alleged by the domestic industry that same input was being sold in their domestic market or exported at a much higher price than what is being reflected in their cost of production of subject goods. The Team verified the cost of production of Tincal Concentrate. The Authority has verified the cost of production of the M/s. ETI Maden and after physical on-site verification has determined that raw material tincal is not being supplied by any affiliate but produced by the same company who is selling the goods in the domestic market. The Authority has also verified that only a minuscule percentage of the tincal concentrate is sold in the domestic market and that too to customers like universities and for research and development purposes. The rest of the tincal has been used in their plant for the production of other boron products. The Authority, after verifying the records holds that tincal produced and captive consumed in the manufacture of borax dehydrate has been the least actual cost of production. Thereafter, the Authority verified the actual cost of the production of the subject goods by taking account of the cost of the major raw material and its freight to cost ex-factory Bandirma. The Authority, thereafter, verified the domestic sales quantity of subject goods and their prices during the POI. Further, all domestic sales transaction were examined with reference to the cost of production of the subject goods as verified earlier to determine whether the domestic sales were in the ordinary course of trade or not. After examination, it was noted that the weighted average sales price of the product concerned is higher than cost of production of subject goods. Thereafter, the Authority also carried out 80:20 tests to determine whether less than or 20% of the total sales have been made below costs in terms of volume. In this case, it was found that more than 20% of the total sales made in the domestic market have been made below costs. Thus only the profitable transactions have been taken into consideration for the determination of normal value for the cooperating exporter. It was further noted that M/s. ETI Maden has sold *** MT of the subject goods for a price of US \$ *** and the weighted average, normal value during the period of investigation comes to US \$ *** per MT. The sales price at the factory level for the domestic sales has been established after making adjustments towards the handling charges and inland freight as indicated by M/s. ETI Maden and verified by the Authority. The weighted average normal value for ETI Maden at the ex-factory level

comes to US **** per MT. The Confidential copy of calculations of normal value and export price is enclosed as Annexure attached.

16. Following the disclosure statement, the domestic industry submitted that it is greatly concerned with the proposed determination holding that dumping margin in respect of ETI is (—)0.01%. They requested the Authority to re examine the dumping margin determinations. Following the response, the Authority has re-examined the dumping margin calculations and maintains that its determination for the normal value, export price and dumping margin were correctly determined. However, the percentage-dumping margin is shown in the disclosure statement as (-) 0.01% whereas it should have been only (-) 1.38%. There is thus no change in the normal value, export price and dumping margin. The Authority has also correctly determined the cost of production. With regards to determination of export price, the domestic industry has submitted that it is not clear whether or not Borochemie price to India has been taken as the starting export price. It is again reiterated that the Authority has considered the export price to India as the starting point. With regards to the adjustments in the export price, the domestic industry With regards to the non receipt of the verification report following the verification visit at the premises of the exporters in Turkey, it is reiterated that a non confidential copy of the verification report had been placed in the public file for all interested parties and the domestic industry did not any stage ask for the inspection of the public file. In response to a letter dated 27th December 2005 and received on 3rd January 2006, the Authority had conveyed to the domestic industry with regard to availability of non-confidential version of verification report in the public file and had asked the domestic industry to inspect the public file if it wanted the same. Since then, the domestic industry has collected a copy of verification report. With regard to a specific query of the domestic industry as to whether the export price had been reduced for discounts, transport, insurance, handling, loading and other expenditures, it is stated that ocean freight, marine insurance, the margin of Borochemie International Singapore, inland freight in Turkey, port handling and port charges, have been reduced from the export price to arrive at the price at the ex-factory level. The margin of Borochemie in India is not applicable in this case as they are not responsible for selling the subject goods in India. The credit cost has not been taken into account in this case as transactions are on CAD and DP at sight basis. The bank charges have been covered as part of the SGA expenses of M/s. Borochemie International. With regard to the margin of Borochemie, Singapore and reduction of SGA and profits of exporters/traders from the export price, it is noted that the Turkish producer invoices the subject goods to M/s. Borochemie International, Singapore. M/s. Borochemie International, Singapore, sells the subject goods to unrelated Indian importers directly. Therefore, the Authority has taken the final export price to India as reflected in the invoices raised by M/s. Borochemie International, Singapore on the Indian customer. From the said price, the Authority has deducted selling expenses like on ocean freight and marine insurance. The Authority has further deducted ****% towards SGA expenses of M/s. Borochemie International, Singapore based on the accounts of Borochemie Singapore. During the verification, it was found that M/s.

Borochemie International has earned a profit of **** on the sale of subject goods. Therefore, the Authority has deducted ***% towards profit margin of Borochemie Singapore to arrive at the net export realization of Borochemie Singapore. This net export realisation corresponds to the FOB price charged by the Turkish producer. Therefore, the Authority has taken the FOB price of Turkish producer and deducted inland freight and handling charges of the producer to arrive at the ex-factory export price. Therefore, it is noted that all the required adjustments have been made from the final export price applicable to and an unrelated Indian customer for the purpose of determining the ex-factory export price.

16. With regard to the submissions of the domestic industry that Borochemie India is also involved in trading of the goods, as an affiliate of Borochemie, Singapore and Borochemie India is acting as an agent for Borochemie Singapore and providing all kinds of sales service of Borochemie Singapore, the Authority has examined the documents submitted by the domestic industry. From the records and documents, it is noted that M/s. Borochemie India is a private limited company incorporated in India and it is a subsidiary of M/s. Borochemie International, Singapore from the year 2003. The primary business of Borochemie India is manufacture of Boric Acid powder with their own manufacturing unit in India. With regard to the query of the domestic industry, with regard to the trading of the goods, it is noted that during the year 2004 (i.e. period of investigation), Borochemie, India has purchased 1 MT of Borax Decahydrate from the domestic market in India (from M/s. Saral Chem, Mumbai) and re-sold the same to their customers in India. From 'Schedule L - Notes forming part of accounts' - Sl. No. 13 of the 6th Annual Report for the year 2004 of Borochemie, , it is seen that during the year 2004, Borochemie, India has purchased 1 MT of Borax Decahydrate valued at Rs. 27,404 and has sold the same in the Indian market valued at Rs. 30,000/-.. Apart from this one transaction of Borochemie India did not appear to have dealt with the product concerned, i.e. Borax Decahydrate during the period of investigation. Similarly, during 2003-04, Borochemie India locally purchased 2,850 Kgs [2.85 tons] and sold it to their customers. It has also been submitted that during 2002-03, one of the customers of Borochemie International Singapore had placed an order for import of one container (21 Ton) of subject goods . When the consignment was on the way, the customer backed out. It was not possible to find an alternate customer immediately. Therefore, as a special case, Borochemie India took delivery of the goods after transferring the Bill of Lading in their favour on 2nd August 2002. Incidentally, this was prior to the initiation of the original anti-dumping investigation,. After taking delivery of the goods, Borochemie India gave 18 Tons to United Chemical, Firozabad as a consignment agent who in turn sold them in the market. The balance 3 tons was sold in Mumbai during 2002-03.

17. Apart from these one off transactions, it is noted that Borochemie India is not concerned with the subject goods.

18. With regard to the deductions of handling expenses from the export price and the domestic price, it is noted that the handling expenses is included in the inland freight which has been deducted from the export price. With regard to exchange rate taken into account by the Authority in the determination of dumping margin, it is stated that the actual exchange rate that was prevailing in Turkey on the dates of transaction have been adopted in the determination. With regard to the query of the domestic industry as to whether there is no export sales of tincal, it is noted that a minuscule percentage of Tincal concentrate is sold in the domestic market in Turkey to customers like Universities (for research and development purposes) and the rest of the Tincal has been used in their plant for the production of other Boron products. Accordingly, the Authority has held that tincal mixed and captively consumed in the manufacture of Borax Decahydrate has been valued at actual cost of production. From the above, it is noted that there are no export sales of Tincal.

19. With regard to the cost of production of tincal and its elements, it is noted that the cost of production of tincal has been taken on actual basis and the Authority has verified the same.

20. With regard to query of domestic industry regarding allocation and apportionment statement and cost of production statement, it is stated that ETI has not deducted from its cost of production any amount towards miscellaneous income. Appendix 7 and appendix 8 referred to by the domestic industry does not show any deduction from the cost of production.

21. With regard to allocation of direct labour, indirect labour and Arasafha amongst the total production, subject goods production and production of other goods, it is stated that ratio of their allocation between BDH and other products would vary significantly because, they are not comparable and they have not been allocated on the same basis. It is further noted that the direct labour is not allocated and it is based on actuals for the subject goods and for other products. The indirect expenses relate to auxiliary production units. The auxiliary units allocate their expenses directly to various main production units on the basis of the services or products received by the concerned main production unit. Therefore, basis of allocation used by the auxiliary production unit is termed as 'direct' in the costing system followed by the Turkish producer. The same has been indicated in Appendix 7. However, the costs incurred at the auxiliary production units represent 'indirect costs' that have been allocated to the main production unit. Thirdly, Ara Safha represents the cost of production of Tincal plus transportation expenses from the mines to the factory. This is allocated to subject goods and other products based on actual consumption. This ratio would not be the same as that of direct or indirect labour.

22. With regard to the financial expenses of the company, it is stated that financial expenses had been claimed on actual basis. With regard to the

apportionment of SGA and interest between Subject goods and others, it is stated that SGA and interest expenses have been allocated on the basis of turnover. However, while submitting the questionnaire response, the turnover percentage had been incorrectly applied. Therefore, a revised Appendix-7 and 8 indicating the correct allocation was handed over at the time of verification visit and the same was got verified.

23. With regards to transaction wise data for export to other countries, it is noted that when the normal value is being calculated on the basis of domestic selling prices, there is no need to collect transaction-wise details of export prices to third countries. In any case, Appendix-2A and Appendix-3 give quantities and values of exports to third countries. This information is considered sufficient to determine whether the Indian export prices are in the same range as that of the export prices to other countries.

EXPORT PRICE

24. The export price for M/s. ETI Maden through exporter M/s Borochemie international has been established on the basis of the prices actually paid or payable for the product when sold to India. The Authority notes that **** MTs of the subject goods have been exported to India during the POI for US \$ ****. The exporter has made adjustments towards discounts, transport, insurance, handling, loading and other expenditures to arrive at ex-factory export price. The weighted net export price at ex -factory level comes to US \$ ****/MT.

DUMPING MARGIN:

25. The principles governing the determination of normal value, export price and the dumping margin as laid down in the Custom Tariff Act and the Anti Dumping Rules are elaborated in Annexure I to the Rules. The dumping margin has been established on the basis of a comparison of weighted average normal value with weighted average export price. The dumping margin for exports of the subject goods from ETI Maden is assessed as Negative by the Authority for the cooperating exporter.

Other Exporters from Turkey

26. There are no other producers of the subject goods from Turkey and all the subject goods have been exported by their exporter M/s Borochemie international. In view of the fact that the Authority has examined 100% of the exports from the subject country and also the fact that there are no other producers from that country and no other exporter has exported the subject goods from Turkey during the POI, it is considered appropriate to base the residual dumping margin on the margin of dumping as calculated for the cooperating exporter in the original investigations. Thus, the dumping margin in case of Non-co-operative/other exporters of Borax Decahydrate from Turkey is assessed as Negative.

27. The exporter agrees with the calculation done by the designated Authority and the findings that the dumping margin is negative. They have also concurred

with the decision of the Authority with regard to the negative finding in relation to compensatory arrangement between the exporter and importer. Lastly, the exporter has submitted that provision of determination with regard to recurrence of dumping has been provided only in article 11.3 of the WTO Agreement, which deals with the Sunset Review. The exporter has also added that a specific provision requiring the authorities to examine the issue of likelihood of continuance of recurrence of dumping and injury is conspicuously absent in article 11.2. The exporter has requested the Authority to terminate the investigation due to the determination of negative dumping margin.

Dumping margin determination for Turkey

producer/exporter-	Normal value	Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin%
ETI Holdings, Turkey and M/s Borochemie International	****	****	(****)	-.1%(Negative)
Other producers in Turkey	****	****	(****)	-.1%(Negative)

Examination of the other claims of the domestic industry with regards to the compensatory arrangement between exporter and importer

28. With regard to the claim made by domestic industry that there may be compensatory arrangement between the exporter of the subject goods to India and various importers, the Authority sought information from two biggest importers of subject goods in India who have imported borax decahydrate from the exporters M/s. Borochemie International. After examining the appendix 2 of the exporter's questionnaire, the Authority asked the two importers i.e. M/s. Bhansali Chemicals, Chennai and M/s. United Chemical Industries, Ferozabad, India. The two importers were requested to provide the information to the Authority in terms of the quantities and values of the subject goods imported by them and the quantities and values of the subject goods sold by them to the independent customer or user. Both the importers were also asked to submit Balance Sheets and Profit & Loss accounts in so far as it concerns the subject goods. During the verification, the Authority examined the import invoices as provided to them by M/s. Borochemie International and the sale invoices with respect to the independent customers to whom they had sold the subject goods during the period of investigation. After examining all records, it was found that both the importers had sold the subject goods during the period of investigation at prices which were consistently higher than the prices at which the goods have been imported after taking into account the element of various expenses including *inter alia* the customs duty, the

central excise duty, freight and other charges. On the basis of above the Authority concludes that no compensatory arrangement existed between the exporter and importer with regard to sale of subject goods from Turkey to various importers in India.

Lasting nature of the changed circumstances and likelihood of dumping

29. The producer and exporter has quoted the article 11.2 of the agreement on antidumping and rule 23 of the antidumping rules saying that the midterm review has been rightly initiated as they had submitted positive information substantiating the need for review thought they maintain that such a requirement is not contemplated by rule 23.

30. In accordance with the practices of the Authority, it was examined whether changed circumstances could be said to be of lasting nature or if there would chances of recurrence of dumping if the anti dumping duty is withdrawn. It was found after examination of the records that petitioners had significant exports of subject goods to countries other than India during the last three years as well as during the POI. In this context, it may be mentioned that exports to countries other than India and to India had significantly gone up during POI and two years prior to that. During the POI, it was seen that exports of the subject goods declined after reaching a high in August while exports to countries other than India remained very high through out the POI.

31. It was also found that sales in the domestic market remained very high throughout the POI and two years prior to that. In fact, domestic sales increased marginally during the second half of the POI.

32. From an examination of the records of the producers and exporters, it was considered reasonable to assume that domestic demand for the subject goods in the domestic market of the exporting country would be increasing in the foreseeable future. Though the exports of the subject goods to India have increased from the original investigations, so has been the increase in case of exports to other countries and in the domestic market of the exporting country. In fact, the exports to other countries continue to grow and is more than 6 times of the exports to India. Further, the spare production capacity of the producer in Turkey has declined since the original investigations and there is less freely disposable capacity of the exporter indicating the unlikelihood of substantially increased dumped imports to the importing members market, taking into account the availability of the other export market to absorb additional exports.

33. The Authority has also verified the domestic sales price after the POI in Turkey to determine whether the reduction in the normal value after the original investigations is of a lasting nature and whether there is a likelihood of the return to the higher prices of the subject goods as observed during original investigations. The Authority after examination of some of the invoices after the POI notes that sales have been made at similar price ranges as was noted in the POI of the mid term review.

34. With regards to the prices of the imports into India and prices of imports to other countries, it is noted that exporter has increased its price to India substantially since the original investigation period though the contracted price of the exporter with the producer remains the largely the same. It was then decided to verify whether the export prices charged by the exporter is of lasting nature or if there is any absorption of anti dumping duty by increasing the prices to India. In this regard, the Authority has verified the resale price of the two largest importers of the subject goods by M/s Borochemie international and after on the site verification and examination of records, it was noted that the resale price of the subject goods to the independent customers have been consistently higher than landed price of the subject goods after taking into account the element of landing charges and all duties.

35. Following the disclosure statement, the domestic industry has commented upon the lasting nature of the changed circumstances and likelihood of dumping. The US and EU practices referred to by the domestic industry may not be strictly applicable to the facts and circumstances of the present case. Section 751 (C) referred to by the domestic industry relates to sunset review and hence may not be entirely relevant. However, the basic objective is to examine whether the exporter has artificially hiked up the export prices so as to get a good result in a review with a likelihood of reducing the prices after completion of the review. In this regard, normally, two indices may be examined. One is the export price to third countries and the other is the resale price of the imported goods by the Indian importer in India.

36. A comparison of the export prices to other third countries with the export price to India indicates whether the two sets of prices are in the same range. If the export prices to India are significantly higher than the export prices to other countries, probably, it may be an indication that the export prices to India may fall down to the price levels prevailing for other countries. A perusal of Appendix-2A clearly shows that the export price to third countries other than India is Rs. 1.04 as against the export price to India of Rs. 0.87. The quantity sold and prices for exports to India and other countries are tabulated below:-

<u>Particulars</u>	<u>Quantity</u>	<u>Unit Price [indexed numbers]</u>
Export to India	11.76	0.87
Export to other countries	77.18	1.04

37. Thus, it may be seen that quantity of exports to other countries was almost 7 times more than the exports to India. Export price to other countries(charged by the producer M/s ETI) was also higher than the export price to India by about 19%. Under these circumstances, the Indian export prices may not be held to be higher which may fall down further. Thus, based on the third country export prices, there may not be enough

basis to discard the export price to India or to make any downward adjustment.

38. Secondly, the Authority has actually gone and verified the importers in India. The Indian importers have resold the product to other customer in India at a significantly higher price than the price at which they had imported it. Thus, it is clear that the export price to India is not artificially high but it is in the normal course of trade to India reflecting the ability of the market to absorb still higher prices. Therefore, there may not be enough ground to discard the export prices and to rely on third country export prices as alleged by the domestic industry. With regards to the query of the domestic industry as to if the duties could be revoked incase the dumping margin is de-minimus , it is noted that there is no dumping based on the verification of the factual data relating to the period of investigation for the review. As the export prices charged by M/s ETI, producer of subject goods to Borochemie international (the exporter) to India are significantly lower than the prices at which the subject goods are being exported by M/s ETI to other countries, it is difficult to contend that the prices would go down still further and they reflect any temporary or artificial changes to export prices. Further, the importers have resold the product at a significantly higher price to the end-users in India. This clearly shows that the Indian market is capable of absorbing this price.

39. It is therefore concluded that a return to dumping practices with regard to the sale of subject goods by the petitioners is unlikely.

F Conclusions:

40. The Authority has after considering the foregoing come to the conclusion that

- I. No dumping margin for the subject goods has been established with regard to imports from Turkey and there is no likelihood of continued dumping of subject goods from Turkey.
- II. In view of the above, the continued imposition of antidumping duty on the subject goods from the Turkey is not necessary to offset dumping and injury to domestic industry.

41. Having concluded that the no dumping margin for the subject goods has been established on account of imports of subject goods from Turkey and there is no likelihood of dumping of the subject goods from Turkey, the Authority finds no justification for continuation of the duty against Turkey and

therefore, in terms of Rule 23 of the said Rules recommends revocation of duty in force against Turkey. Hence, in view of the above, the Authority recommends withdrawal of the anti dumping duty on Turkey recommended earlier by notification No. 14/40/2002-DGAD dated 21st November 2003 and imposed vide Customs Notification No. 2/2004-Customs dated 7.1.2004.

CHRISTY FERNANDEZ, Addl. Secy. & Designated Authority